PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जीवन में सबसे बड़ी पूंजी धन नहीं, बल्कि विश्वास है। धन खोकर फिर कमाया जा सकता है, लेकिन विश्वास खो जाने पर रिश्ते, सम्मान और अवसर– तीनों हाथ से निकल जाते हैं। इसलिए कमाई से पहले अपनी विश्वसनीयता कमाइए, क्योंकि वही आपकी असली पहचान है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-187 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 31 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

उज्ज्वला की लौ क्यों पड़ गई मंद? महंगाई, गैस संकट और गांव की रसोई का बदलता सच

भारत में जब प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत हुई थी, तब इसे ग्रामीण महिलाओं के जीवन में एक क्रांतिकारी बदलाव के रूप में प्रस्तुत किया गया। वर्षों से चूल्हे के धुएँ में जीवन बिताने वाली महिलाओं को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने का सपना दिखाया गया। उस समय यह कहा गया था कि अब गरीब परिवारों की माताओं और बहनों की आँखों में धुएँ के आँसू नहीं आएँगे। लाखों परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन और चूल्हे उपलब्ध कराए गए। यह एक सराहनीय पहल थी, जिसने ग्रामीण भारत की रसोई तक आधुनिक सुविधा पहुँचाई। लेकिन यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। किसी भी कल्याणकारी योजना की सफलता केवल उसके शुभारंभ से नहीं, बल्कि उसकी दीर्घकालिक उपयोगिता और आमजन तक पहुंच से तय होती है। एक समय था जब प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को ग्रामीण भारत की महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली योजना के रूप में प्रस्तुत किया गया था। धुएं से भरी रसोई, जलती आंखें और लकड़ी-उपलों के बीच संघर्ष करती महिलाओं को गैस चूल्हे के माध्यम से सम्मानजनक जीवन देने का सपना दिखाया गया। करोड़ों गरीब परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन और चूल्हे वितरित किए गए। उस समय यह योजना ग्रामीण भारत में विकास और आधुनिकता का प्रतीक बन गई थी।

लेकिन आज एक दशक के आसपास का समय बीतने के बाद गांवों की हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। जिन घरों में उज्ज्वला योजना के गैस सिलेंडर पहुंचे थे, वहां अब अनेक स्थानों पर वे कोने में रखे दिखाई देते हैं। कई जगह सिलेंडर पानी के मटके रखने के स्टैंड या अन्य घरेलू उपयोग की वस्तु बन गए हैं। गरीब परिवारों की मजबूरी यह है कि गैस कनेक्शन तो मिल गया, लेकिन सिलेंडर भरवाने की आर्थिक क्षमता धीरे-धीरे समाप्त हो गई। ग्रामीण भारत की सबसे बड़ी समस्या आय और खर्च के बीच बढ़ता अंतर है। जिस बुजुर्ग महिला को महीने भर के गुजारे के लिए एक हजार या पंद्रह सौ रुपये पेंशन मिलती है, वह यदि लगभग उतनी ही राशि गैस सिलेंडर भरवाने में खर्च कर दे तो भोजन, दवाई और अन्य आवश्यक जरूरतों की पूर्ति कैसे करेगी? यही कारण है कि लाखों परिवार पुनः पारंपरिक चूल्हों की ओर लौटने को मजबूर हो रहे हैं। यह केवल गैस सिलेंडर की कीमत का प्रश्न नहीं है, बल्कि ग्रामीण जीवन शैली में आए व्यापक बदलाव का भी विषय है। गैस के आगमन के बाद लोगों ने धीरे-धीरे अपने पारंपरिक संसाधनों को छोड़ दिया। पहले गांवों में गोबर के उपले, सूखी लकड़ियां, फसलों के डंठल, झाड़ियां और अन्य जैविक ईंधन सुरक्षित रखे जाते थे। रसोई के उपकरण भी उसी व्यवस्था के अनुरूप होते थे। चिमटा, फूंकनी, मिट्टी की अंगीठी, लोहे का तवा और अन्य पारंपरिक साधन हर घर में उपलब्ध रहते थे।

लेकिन आधुनिकता की दौड़ में लोगों ने इन संसाधनों को अनुपयोगी मान लिया। गैस चूल्हे के कारण रसोई के स्वरूप में बदलाव आया। सुविधा बढ़ी, समय बचा और महिलाएं धुएं से मुक्त हुईं। यह बदलाव सकारात्मक था, लेकिन इसकी एक शर्त थी–गैस की निरंतर उपलब्धता और वह भी गरीब परिवार की पहुंच के भीतर। आज समस्या तब पैदा हुई जब गैस पर निर्भरता तो बढ़ गई लेकिन उसकी लागत भी लगातार बढ़ती चली गई। परिणामस्वरूप गरीब परिवार बीच रास्ते में खड़े दिखाई दे रहे हैं। न तो वे पूरी तरह गैस का उपयोग कर पा रहे हैं और न ही पुराने संसाधनों को पहले जैसी स्थिति में वापस ला पा रहे हैं। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न सरकार और नीति निर्माताओं के सामने खड़ा होता है कि क्या केवल कनेक्शन बांटना ही किसी योजना की सफलता का पैमाना है? यदि लाभार्थी नियमित रूप से उस सुविधा का उपयोग नहीं कर पा रहा, तो योजना के मूल उद्देश्य पर पुनर्विचार आवश्यक है। आज गांवों में विवाह, सामाजिक समारोह और घरेलू कार्यक्रम भी गैस सिलेंडरों पर निर्भर हो गए हैं। पहले बड़े-बड़े भट्टों और अंगीठियों पर भोजन तैयार होता था। स्थानीय संसाधनों का उपयोग होता था। अब गैस के बिना कार्यक्रम आयोजित करना कठिन माना जाने लगा है। यह निर्भरता तब संकट बन जाती है जब सिलेंडर की कीमत आम आदमी की आय से मेल नहीं खाती। इसके साथ ही एक सामाजिक और पर्यावरणीय पहलू भी जुड़ा हुआ है। यदि लोग पुनः लकड़ी और पारंपरिक ईंधन की ओर लौटते हैं, तो वनों पर दबाव बढ़ सकता है तथा महिलाओं को फिर धुएं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए समाधान केवल पुराने चूल्हों की वापसी नहीं हो सकता। समाधान यह है कि सरकार उज्ज्वला योजना के दूसरे चरण पर गंभीरता से विचार करे। गरीब परिवारों के लिए रिफिल पर स्थायी और प्रभावी सब्सिडी सुनिश्चित की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में बायोगैस, सौर ऊर्जा आधारित रसोई और अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही ग्रामीण आय बढ़ाने वाली नीतियों को भी प्राथमिकता दी जाए ताकि परिवार अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति सम्मानपूर्वक कर सकें। उज्ज्वला योजना का उद्देश्य केवल गैस कनेक्शन देना नहीं था, बल्कि महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाकर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना था। यदि आज वही महिलाएं मजबूरी में पुराने चूल्हों की ओर लौट रही हैं, तो यह केवल आर्थिक संकट नहीं बल्कि नीति के क्रियान्वयन की चुनौती भी है।

किसी भी योजना का मूल्यांकन उसके उद्घाटन समारोह से नहीं, बल्कि वर्षों बाद लाभार्थी के जीवन में दिखाई देने वाले प्रभाव से होता है। यदि गरीब परिवार गैस सिलेंडर को भरवाने में असमर्थ हैं, तो यह संकेत है कि हमें आंकड़ों से आगे बढ़कर जमीनी वास्तविकताओं को समझना होगा। विकास का वास्तविक अर्थ तभी है जब सुविधा केवल घर तक पहुंचे नहीं, बल्कि लगातार उपयोग में भी बनी रहे। अन्यथा उज्ज्वला की लौ धीरे-धीरे मंद पड़ती जाएगी और गांव की रसोई फिर उसी धुएं और मजबूरी के अंधेरे में लौट जाएगी, जिससे उसे बाहर निकालने का सपना कभी दिखाया गया था।

विरोध का अधिकार सबको,लेकिन तार्किक और मर्यादित होना चाहिएः सतीश पूनिया

मंत्री गौतम के ऑडियो विवाद पर बोले-FIR दर्ज होना पार्टी की निष्पक्षता को दर्शाता

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को काले झंडे दिखाने की बात पर भाजपा के हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करने का अधिकार सबको है लेकिन वह विरोध तार्किक और मर्यादित होना चाहिए। मंत्री गौतम के ऑडियो विवाद पर पूनिया ने कहा कि उनके खिलाफ FIR दर्ज हुई है। यह पार्टी की निष्पक्षता को दर्शाता है। दरअसल सतीश पूनिया सीकर में चल रहे भाजपा के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में शिरकत करने के लिए पहुंचे थे। जहां उन्होंने मीडिया से बातचीत में यह बात कही। सतीश पूनिया ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करने का अधिकार सभी को है लेकिन वह विरोध तार्किक और मर्यादित होना चाहिए। राजनीति में शब्दों की गरिमा और आचरण की मर्यादा बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जनता नेताओं को बड़ा बनाती है लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि कोई अपनी मर्यादा ही भूल जाए।

मंत्री गौतम के ऑडियो विवाद पर बोलते हुए सतीश पूनिया ने कहा कि मंत्री ने खुद ऑडियो का खंडन करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से ऑडियो एडिट किया गया है। अब इसकी जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस मामले में पार्टी खुद भी संज्ञान ले रही है। मंत्री के खिलाफ मुकदमा दर्ज होना सरकार की निष्पक्षता को दर्शाता है।

सतीश पूनिया ने कहा कि वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है जिनके करीब 14 करोड़ सदस्य है। किसी भी संगठन की पहचान केवल भीड़ से नहीं होती बल्कि उसकी विचारधारा, संविधान और कार्य पद्धति उसे मजबूत बनाती है। राजनीति समय के साथ लगातार बदलती रहती है। जनसंघ के दौर में सोशल मीडिया नहीं था लेकिन आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और भी नए माध्यम तेजी से राजनीति और जनसंपर्क का हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में कार्यकर्ताओं को भी समय के अनुसार अपडेट रहना जरूरी है। प्रशिक्षण शिविर का अभियान पार्टी के द्वारा करीब 1000 संगठनात्मक जिलों में चलाया जा रहा है। आने वाले समय में अलग-अलग मोर्चों के भी प्रशिक्षण आयोजित होंगे। ताकि सभी पार्टी की विचारधारा और कार्यशैली के अनुरूप बेहतर तरीके से कार्य कर सके। भाजपा पहले केवल कैडर आधारित पार्टी थी लेकिन आज वह कार्यकर्ता आधारित जन संगठन बन चुकी है। भाजपा का 3 से 303 तक पहुंचने का सफर संगठन शक्ति का सबसे बड़ा उदाहरण है। भारतीय जनता पार्टी 365 दिन काम करने वाली पार्टी है।

इंडियन कराटे एकेडमी पलसाना के खिलाड़ियों ने रचा इतिहास

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के पुराना बाजार स्थित श्रीगोपाल जी बड़ा मंदिर पलसाना में खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। जयपुर में आयोजित महाराणा प्रताप नैशनल चैंपियनशिप में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ द्वारा रामनिवास बाग जयपुर में पलसाना के 10 खिलाड़ियों में से 7 खिलाड़ियों (आयुषि , दिक्षिता, कार्तिक, हरिओम, नैतिक, हिमांशु व विनित) ने गोल्ड मेडल , 1 खिलाड़ी ने स्वर्ण पदक तथा 2 खिलाड़ियों ने सिल्वर मेडल जीता। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भरतराज ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चैयरमेन सुभाष सिंह बिजारनियां रहे। विशिष्ट अतिथि राजकुमार कुमावत रहे। इस दौरान कराटे कोच रविन्द्र, मुकेश सैन, धनंजय यादव, वंश, कृष्णा, विवेक आदि खिलाड़ी व ग्रामीण मौजूद रहे। मुख्य अतिथि बिजारणिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रतिभाएं समाज की अनमोल धरोहर होती हैं। बस जरूरत होती है उन्हें खोजने एवं तरासने की। खेल जीवन का अभिन्न अंग है, खेलों से व्यक्ति का मानसिक बौद्धिक एवं शारीरिक विकास होता है, मिठाई वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

न्यायिक अधिकारियों ने किया संतोष पुनर्वास केंद्र व जिला नेत्रहीन कन्या विद्यालय का निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से समाज के वंचित और दिव्यांग बच्चों व नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लेने के लिए आज न्यायिक अधिकारियों ने संतोष मेमोरियल दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र व जिला नेत्रहीन कन्या विद्यालय का निरीक्षण किया।अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षाली चौधरी व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव नीलम कुमारी ने पहले संतोष मेमोरियल दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र पहुंच कर केंद्र प्रबंधक से चिकित्सा सुविधाओं, थेरेपी सेशंस और उनके रहने-खाने की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि इनके रहने खाने की व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हर उस नागरिक के साथ खड़ा है जिसे समाज की मुख्यधारा और न्याय की आवश्यकता है। इन विशेष बच्चों की देखभाल में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद मोहल्ला खड़खड़ी स्थित नेत्रहीन कन्या विद्यालय का दौरा कर वहां उनकी

शिक्षा, ब्रेल लिपि की पुस्तकों की उपलब्धता और हॉस्टल की व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा। उन्होंने कहा कि रहने वाले बच्चों के कमरों में साफ-सफाई और सोशल डिस्टेंसिंग/सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखा जाए। सभी बच्चों का समय-समय पर नियमित हेल्थ चेकअप सुनिश्चित किया जाए। यदि इन बच्चों को किसी भी प्रकार की कानूनी सहायता या सरकारी योजनाओं के लाभ की आवश्यकता हो, तो तुरंत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नारनौल को सूचित करें।

दिनेश की मौत पर छलका जनप्रतिनिधि का दर्द, विधायक राजेंद्र मीणा ने सौंपा एक माह का वेतन

भीम प्रज्ञा न्यूज.बांदीकुई।

मनोज खंडेलवाल । चोरी के संदेह में कथित मारपीट के बाद जान गंवाने वाले युवक दिनेश कुमार मीणा के परिवार के बीच शनिवार को संवेदनाओं का ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने शोक की घड़ी में पीड़ित परिवार को संबल देने का काम किया। महवा विधायक राजेंद्र मीणा बांदीकुई पहुंचकर स्वर्गीय दिनेश कुमार मीणा की शोकसभा में शामिल हुए, दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों को ढांढस बंधाया। विधायक राजेंद्र मीणा ने घटना को अमानवीय, दुर्भाग्यपूर्ण और कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाला कृत्य बताते हुए कहा कि किसी भी सभ्य समाज में भीड़ या संदेह के आधार पर किसी व्यक्ति के साथ हिंसा की ऐसी घटना स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए तथा पुलिस प्रशासन सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की प्रभावी कार्रवाई करे। शोकाकुल परिवार की आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए विधायक राजेंद्र मीणा ने अपना एक माह का वेतन एक लाख रुपये सहायता राशि के रूप में परिवार को भेंट किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि न्याय की इस लड़ाई में पीड़ित परिवार अकेला नहीं है, समाज और जनप्रतिनिधि उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर आवाज उठाई जाएगी। विधायक ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें। शोकसभा में मौजूद लोगों ने भी घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की और न्याय दिलाने की मांग दोहराई।

आंधी के बाद टूटा ट्रांसफॉर्मर, तीन दिन से अंधेरे में गांव, पेयजल संकट भी गहराया

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

उपखंड के कलोठड़ा गांव में आंधी के बाद विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। गांव के सरकारी स्कूल के समीप लगा विद्युत ट्रांसफॉर्मर खंभे से टूटकर तारों के सहारे लटक गया है, जिससे ग्रामीणों में हादसे का डर बना हुआ है। वहीं गांव में एक अन्य ट्रांसफॉर्मर के जमीन पर गिरने की भी सूचना है। घटना के बाद से गांव की बिजली आपूर्ति बाधित है और पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हो गई है। ग्रामीणों के अनुसार कुछ दिन पूर्व आई तेज आंधी के दौरान स्कूल के पास स्थापित ट्रांसफॉर्मर का खंभा क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे ट्रांसफॉर्मर टूटकर तारों के सहारे हवा में झूलने लगा। यह ट्रांसफॉर्मर मुख्य रास्ते के नजदीक होने के कारण लोगों के लिए खतरा बना हुआ है। इसी मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चों का आवागमन रहता है। ऐसे में किसी भी समय तार टूटने या ट्रांसफॉर्मर गिरने से बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि घटना के बावजूद विद्युत विभाग की ओर से अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है। ट्रांसफॉर्मर क्षतिग्रस्त होने के कारण

पिछले तीन दिनों से गांव में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। बिजली नहीं होने से घरों में दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं, वहीं किसानों और व्यापारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली संकट का सबसे अधिक असर गांव की पेयजल व्यवस्था पर पड़ा है। जानकारी के अनुसार क्षतिग्रस्त ट्रांसफॉर्मर गांव के सार्वजनिक थ्री-फेज बोरवेल से जुड़ा हुआ है। बिजली आपूर्ति बंद होने के कारण बोरवेल संचालित नहीं हो पा रहा, जिससे गांव में पानी की सप्लाई बाधित हो गई है। भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट गहराने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। लोगों को दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार सूचना देने के बावजूद विभागीय अधिकारियों ने समस्या का त्वरित समाधान नहीं किया। गांववासियों ने विद्युत विभाग और प्रशासन से मांग की है कि झूल रहे ट्रांसफॉर्मर को तुरंत सुरक्षित तरीके से हटाया जाए तथा नया या मरम्मत किया हुआ ट्रांसफॉर्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल की जाए। साथ ही पेयजल व्यवस्था को सुचारू करने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएं।ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी। गांववासियों ने जनहित को देखते हुए तत्काल राहत कार्य शुरू करने की मांग की है।

लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे जोड़े पर हमला, दो आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । थाना सदर रतिया पुलिस ने लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे एक जोड़े के घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि पीड़िता ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह अपने पति की नशे की लत के कारण पिछले कुछ समय से गांव मिराना में मलकीत सिंह के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। इसी बात को लेकर कुछ लोगों ने रंजिश रखते हुए उनके घर की दीवार फांदकर अंदर प्रवेश किया और उस पर तथा उसके साथी मलकीत सिंह पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में दोनों को गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर थाना सदर रतिया में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी एवं जमीनी साक्ष्यों के आधार पर गांव भुथन खुर्द निवासी दो आरोपियों, मलकीत सिंह और मनजीत सिंह, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों से वारदात में इस्तेमाल हथियारों तथा अन्य फरार आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। मामले में शामिल शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

दलेलपुरा में वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान का हुआ आयोजन

मांगलिक कार्यों में पौधे लगाकर पर्यावरण को बनाए बेहतर

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

खेतड़ी उपखंड के दलेलपुरा में शनिवार को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने पीपल, नीम सहित अन्य पौधे लगाकर परवरिश करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद नरेंद्र खिचड़, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधिच थे, जबकि अध्यक्षता विधायक इंजी धर्मपाल गुर्जर ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रेम सिंह बाजौर ने कहा कि वृक्षारोपण कर ऑक्सीजन के नेचुरल रिसोर्से से आसपास के लोगों को बेहतर सुविधा मुहैया करवाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि आमजन के स्वास्थ्य को लेकर सरकार द्वारा अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं

का संचालन किया जा रहा है। प्रत्येक व्यक्ति को इनके प्रति जागरूक होकर इनका लाभ उठाना चाहिए। पृथ्वी पर पेड़ पौधे लगातार कम हो रहे है, जिसके चलते पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने चाहिए। पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने मांगलिक कार्यों में पौधा लगाकर उसकी परवरिश करनी चाहिए। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया गया। पौधारोपण एवं जल स्रोतों का संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वच्छ भविष्य की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। प्रकृति को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ वृक्षारोपण भी किया गया। इस मौके पर विशंभर पूनिया, पूर्व सांसद नरेंद्र खीचड़, जिला महामंत्री योगेंद्र मिश्रा, जिला मंत्री निखिल शर्मा, सुरेंद्र काजला, विश्वेंद्र नालपुरिया, नगेंद्र सिंह सोढ़ा, रोहिताश मनकश, सतीश खरडिया सहित अनेक लोग मौजूद थे।

आजकल के आधुनिक युग में बच्चों पर भी पढ़ाई का बोझ बढ़ता जा रहा है जिससे वे भी मानसिक तनाव का शिकार हो रहे हैं। बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। वे अपनी भावनाओं और अनुभवों को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते। खासकर जब वे दुख, डर या असहज महसूस करते हैं तो वे इसे साफ शब्दों में नहीं बता पाते। इसका कारण यह है कि कई बार बच्चे मानसिक तनाव या डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

पढ़ाई के बोझ के कारण बच्चों को हो रहा मानसिक तनाव

लक्षण

मानसिक तनाव के कारण बच्चों के व्यवहार में कई तरह के बदलाव दिखाई देते हैं। जब बच्चे परेशान होते हैं तो वे चिड़चिड़े हो सकते हैं या चुप्पी साध सकते हैं। यह बदलाव अचानक आ सकता है। एक बच्चा जो हमेशा समय पर खाना खाता था, अचानक खाना खाने से मना कर सकता है। या वह खेल जिसमें वह रुचि रखता था, उसमें अब उसका मन नहीं लगेगा। ऐसे व्यवहार को केवल नखरे समझना सही नहीं है। यह मानसिक तनाव का संकेत हो सकता है।

स्वभाव में बदलाव

अगर कोई बच्चा पहले बहुत मिलनसार था और हर किसी से बात करता था, लेकिन अचानक वह चुप हो जाए या किसी से बात करना बंद कर दे, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसके विपरीत, यदि कोई बच्चा जो पहले शांत रहता था, अचानक बहुत ज़्यादा बोलने लगे, तो यह भी मानसिक दबाव का संकेत हो सकता है।

इस प्रकार करें सहायता

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों की भावनाओं और मानसिक स्थिति पर ध्यान दें। बच्चों के दोस्तों को जानना जरूरी है। न तो बच्चों के दोस्तों को लेकर ज़्यादा टोकाटाकी करें और न ही हर बात में हस्तक्षेप। बस यह जानने की कोशिश करें कि आपके बच्चे किन दोस्तों के साथ समय बिताते हैं। समय-समय पर बच्चों के दोस्तों को घर बुलाएं। इससे आपको पता चलेगा कि वे किस प्रकार के प्रभाव में हैं और क्या उनके दोस्त उनके लिए सकारात्मक हैं।

बच्चों से बात करें

घर पर खाली समय में, खासकर डिनर के दौरान बच्चों से बात करें। यह समय बहुत उपयोगी होता है जब माता-पिता अपने दिन की बातें बच्चों से साझा करते हैं। इससे बच्चे सीखते हैं कि अपनी बातें कैसे बताई जाती हैं और भावनाओं को कैसे व्यक्त किया जाता है।

बच्चों की बात ध्यान से सुनें

जब बच्चा अपनी कोई बात बताने आए, तो उसे पूरा ध्यान देकर सुनें। तुरंत प्रतिक्रिया न दें। यदि उसने कोई गलती की है, तो उस पर चिल्लाने की बजाय शांत और समझदार भाषा में बात करें। आवाज़ का स्वर नरम और सहयोगी होना चाहिए। इससे बच्चे को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का मौका मिलता है, जिससे वह मानसिक रूप से मजबूत बनता है।

बच्चे में तनाव का क्या कारण है?

मां-बाप का बच्चों को समय ना दे पाना : नौकरी तथा अन्य कार्यों के चलते मां बाप बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। इसीलिए अपने बच्चे के लिए हमेशा समय निकालें उसे पिकनिक डिनर या फिल्म दिखाने ले जाएं।

पढ़ाई का तनाव

आजकल की पढ़ाई लिखाई का बोझ बच्चों के मन पर तनाव पैदा कर रही है। उनका होमवर्क ना होना पढ़ाई में कम नंबर आना तथा क्लास में पीछे रह जाना इन सभी कारणों से मां-बाप तथा स्कूल में टीचर बच्चों को डांटते हैं।

इससे बच्चों पर भावनात्मक दबाव पड़ता है। माता पिता तथा अध्यापक हमेशा ही बच्चों पर अधिक नंबर लाने तथा कक्षा में प्रथम आने को कहते हैं हैं जिससे उनका कॉन्फिडेंस लेवल बहुत कम हो जाता है।

खेलकूद ना करना

भविष्य की चिंता या पढ़ाई का तनाव बच्चों में इतना रहता है कि उनके पास खेलना तो दूर खाने-पीने का भी समय नहीं होता है। आपको उसको मोबाइल कंप्यूटर की बजाय आउटडोर गेम्स खेलने के लिए प्रेरित करना चाहिए उसके साथ समय बिताएं।

माँ बाप का तनाव में रहना

अगर आपके चेहरे पर बहुत ज्यादा तनाव है तो इसका असर आपके बच्चों के दिमाग पर भी पड़ सकता है। आजकल बच्चों में यह समस्या बहुत बड़े पैमाने पर देखने को मिल रही है। बच्चों में तनाव का सबसे बड़ा कारण हायर स्टडीज, सोशल साइट्स और खुद आप पर बोझ है।

अच्छा

> **डिप्रेशन क्या है**
>
> यह एक प्रकार का साइकॉटिक डिसऑर्डर है जिसमें 2 सप्ताह या उससे अधिक समय तक के लिए उदासी रहती है। बच्चे को हमेशा नकारात्मक विचार आते हैं और उसका मन किसी भी काम में नहीं लगता है। उसकी रोजमर्रा की जिंदगी अस्त व्यस्त हो जाती है।

वातावरण ना होना

बच्चों के मन पर घर के वातावरण का प्रभाव हमेशा रहता है और उनके विचारों को प्रभावित करता है। जहां पति-पत्नी काम करते हैं, वे अपने बच्चों को बहुत कम समय समर्पित कर सकते हैं। जो आपके बेटे में अलगाव लाता है और उसे तनाव में रखता है। अक्सर तनावग्रस्त बच्चे दोस्तों से दूर बैठे नजर आएंगे। कुछ बच्चे डर के मारे अपने नाखून चबाने लगते हैं। इसलिए आपको विशेष ध्यान देना चाहिए।

माँ बाप की लडाई

माता-पिता इस बात को भूल जाते हैं कि बहस करने और गाली देने की उनकी गलती बच्चों के लिए जीवन भर दुख बन जाती है। इन्हीं बातों की वजह से बच्चों में डर बस जाता है। ऐसे माहौल में आपके बच्चे का बचपन खत्म हो जाता है। कभी भी अपने बच्चे को ऐसा माहौल न दें।

बच्चे को हतोत्साहित करना

यदि आप बच्चे को किसी भी परीक्षा में सफलता नहीं मिलती है, तो कभी उसे डांटें या उस पर दबाव न डालें। इससे आपका बच्चा तनाव में आ जाएगा। आपको अपने बच्चे को यह समझने की जरूरत है कि यह जीवन का अंत नहीं है, यह एक नई शुरुआत है। कभी कभी बच्चा मानसिक तनाव से इतना घिरा जाता है कि उसे कुछ भी महसूस नहीं होता। वह धीरे-धीरे पढ़ाई में कमजोर हो जाता है। यह बात उसके दिमाग में बैठ जाती है कि वह अब कुछ नहीं कर सकता। अक्सर बच्चे दूसरे लोगों की तारीफें सुनकर चिढ़ जाते हैं। उनकी आत्म प्रशंसा से उनको ठेस पहुंचती है। अगर कोई उनका हौसला नहीं बढ़ाता तो वे हमेशा के लिए निराश हो जाते हैं। इसलिए आपको समय-समय पर अपने बच्चे की प्रशंसा और उसे प्रोत्साहित करना चाहिए।

बच्चे में तनाव के क्या लक्षण है

व्यवहार में परिवर्तन

जब शिशु तनाव में होता है, तो सबसे पहले जो चीज प्रभावित होती है, वह है उसका व्यवहार। बार-बार परेशान होना, अक्सर दुखी रहना, घंटों रोना, ये बच्चों में पाए जाने वाले तनाव के लक्षण हैं।

बिस्तर गीला करना

छोटे बच्चे कभी-कभी अपनी नींद में बिस्तर गीला कर देते हैं, लेकिन वे 3-4 साल की उम्र से ऐसा करना बंद कर देते हैं।

पसंदीदा सामान से दूरी

यदि आपका बच्चा अपने पसंदीदा खिलौने से नहीं खेलता है और अपनी पसंदीदा डिश नहीं खाता है, तो वह तनाव में हो सकता है।

स्कूल से लगातार शिकायत

स्कूल से शिकायतें मिलना सामान्य बात है। लेकिन अगर यह हर दूसरे दिन आपके पास आता है, तो कुछ गलत हो सकता है।

नाखून चबाना

बच्चे अपने नाखूनों को तब चबाते हैं जब वे बहुत अधिक चिंता करते हैं या गुस्सा करते हैं।

खाने और सोने में बदलाव

यदि बच्चा चिंतित है, तो उसके खाने की आदतों में परिवर्तन होता है। अक्सर उदास बच्चे बहुत ज्यादा खाने या सपने देखने लगते हैं।

बच्चो को तनावमुक्त कैसे रखे

डॉक्टर आपके बच्चे के साथ समय बिताने की सलाह देते हैं। उनकी अच्छी दिनचर्या बनाएं और उन्हें व्यस्त रखें। अपने बच्चों को हर शाम व्यायाम करवाएं। सूर्यास्त के समय अपने घर के बगीचे या छत पर टहलें। यदि आप गर्म क्षेत्रों में हैं, तो सोने से पहले स्नान करें। इससे नींद अच्छी आएगी।

अपने बच्चे के व्यवहार पर ध्यान दें। यदि आपको लगता है कि आपका बच्चा इन दिनों अलग तरह से काम करता है, तो उसकी भावनाओं पर विचार करें, और उसके साथ अधिक समय बिताएं। अगर आपका बच्चा इन सब के बाद भी दुखी है, तो बाल रोग विशेषज्ञ को बुलाएं।

घंटों पीछे भागने के बाद भी नहीं खाता बच्चा? काम आएंगे ये स्मार्ट पैरेंटिंग टिप्स

खाने के समय नखरे करना बच्चों की आम समस्या है. कई माता-पिता इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि उनका बच्चा ठीक से नहीं खाता तो उसे जरूरी पोषक तत्व कैसे मिलेंगे. भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चे का खान-पान सही रखना चुनौती भरा काम है लेकिन चिंता करने की जरूरत नहीं है. विशेषज्ञों के अनुसार सही तरीके और धैर्य से इस समस्या को आसानी से सुलझाया जा सकता है.

यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) बताता है कि छोटे बच्चों का स्वाद और पसंद हर दिन बदलती रहती है. दुनियाभर के माता-पिता इस समस्या से जूझ रहे हैं. अगर आपका बच्चा भी खाने में नखरे करता है तो सात आसान और प्रभावी टिप्स को अपनाकर आप उसे स्वस्थ और पौष्टिक भोजन की ओर प्रेरित कर सकते हैं. ये टिप्स अपनाकर माता-पिता अपने बच्चे को स्वस्थ खान-पान की आदत डाल सकते हैं. धैर्य और सकारात्मक रवैया सबसे जरूरी है.

बार-बार कोशिश करें

नया खाना बच्चे को तुरंत पसंद नहीं आता. किसी नए खाद्य पदार्थ को पसंद करने में उसे 10 बार से ज्यादा चखना पड़ सकता है. हार न मानें, थोड़ी मात्रा में नए खाने को बार-बार दें. जिस चीज को बच्चा नहीं खाता, उसे पसंद की चीज के साथ मिलाकर दें.

अलग-अलग तरह का पौष्टिक खाना दें

बच्चे को रोजाना फल, सब्जियां, अनाज, दालें, डेयरी उत्पाद, मेवे और बीज खिलाएं. अलग-अलग रंग, स्वाद और बनावट वाले खाने दें. एक ही सब्जी को कच्चा और पका दोनों रूप में ट्राई करें. विविधता बच्चे को आकर्षित करती है.

बच्चे को टीम का हिस्सा बनाएं

बच्चे को बाजार ले जाएं और उन्हें फल-सब्जी चुनने दें. घर पर उनकी उम्र के अनुसार छोटा काम सौंपें जैसे सामग्री मिलाना या प्लेट सजाना. जब बच्चा खुद खाना बनाने में शामिल होता है तो उसे खाने का ज्यादा उत्साह होता है.

उनकी भूख पर भरोसा करें

बच्चे को खाने के लिए मजबूर न करें. अगर वह कम खा रहा है तो दबाव न डालें. जब तक बच्चा स्वस्थ है, फुर्तीला है और वजन ठीक बढ़ रहा है, तो चिंता न करें. बच्चे को अपनी भूख-तृप्ति के संकेत समझने दें.

कम मात्रा में खाना दें

छोटे बच्चों का पेट बहुत छोटा होता है. उन्हें बड़ी मात्रा में खाना न दें. उनकी उम्र के हिसाब से छोटी-छोटी सर्विंग दें और थोड़ा खाने पर भी तारीफ करें.

खाने को इनाम या सजा न बनाएं

अच्छे व्यवहार के लिए मिठाई या जंक फूड का लालच न दें. इससे बच्चे अच्छे-बुरे खाने की गलत सोच विकसित करते हैं. इसके बजाय खेलने या घुमने का वादा करें.

खुद रोल मॉडल बनें

बच्चे अपने माता-पिता की नकल करते हैं. परिवार के साथ बैठकर पौष्टिक भोजन करें और उसे स्वादिष्ट बताएं. जब बच्चा देखेगा कि आप भी वही खा रहे हैं तो वह खुद इसे ट्राई करना चाहेगा.

बच्चों को इस प्रकार बतायें अक्षर का देश से संबंध

अभिभावक अपने बच्चों को इस बात की जानकारी दें कि ए से जेड तक हर अंग्रेज़ी अक्षर से कोई न कोई देश शुरू होता हैं। दुनिया में कुल मिलाकर लगभग 195 देश हैं। हर देश का नाम अपने इतिहास, संस्कृति और भौगोलिक पहचान से जुड़ा होता है।

ए- ऑस्ट्रेलिया : यह कंगारुओं, क्रिकेट और खूबसूरत बीचों का देश है। यहां का सिडनी ओपेरा हाउस और ग्रेट बैरियर रीफ दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं।

बी - ब्राजील : यह देश फुटबॉल के जुनून, अमेजन जंगल और रियो डी जनेरियो के कार्निवल के लिए जाना जाता है।

सी- कनाडा : यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है, जो अपनी बर्फीली झीलों और शांत जीवनशैली के लिए मशहूर है।

डी - डेनमाक : यह यूरोप के सबसे खुशहाल देशों में से एक है, जहां स्वच्छता और जीवन की गुणवत्ता सबसे बेहतरीन मानी जाती है।

ई - मिस्र : यह देश पिरामिड, दुनिया की सबसे लंबी नील नदी और फैरोस की रहस्यमयी सभ्यता का प्रतीक है.

एफ - (फ्रांस) : यह प्यार, फैशन और एफिल टॉवर का देश है, जहां हर साल लाखों पर्यटक आते हैं।

जी - जर्मनी : यह देश इंजीनियरिंग और ऑटोमोबाइल के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है. वहीं, बर्लिन की ऐतिहासिक दीवार इसकी पहचान है.

एच - हंगरी हंगरी : यह यूरोप का एक सुंदर देश है, जिसकी राजधानी बुडापेस्ट अपनी नदी और पुलों के लिए जानी जाती है।

आई -भारत : भारतअपनी संस्कृति, परंपरा और विविधता से भरा है, जहां हर 100 किलोमीटर पर भाषा और खानपान बदल जाता है।

जे - (जापान यह देश टेक्नोलॉजी, अनुशासन और सुशी के लिए मशहूर है। यहां की 'बुलेट ट्रेन' और 'चेरी ब्लॉसम' दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

के - केन्या अफ्रीका का यह देश, अपनी वाइल्डलाइफ सफारी और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है.

एल - लाओस यह देश शांत, आध्यात्मिक और हरियाली से भरपूर दक्षिण-पूर्व एशिया का काफी सुंदर देश है।

एम - मेक्सिको इसे टाकोस, म्यूजिक और रंगीन त्योहारों का देश कहा जाता है, जिसकी संस्कृति बेहद जीवंत है.

एन (नेपाल) दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत 'माउंट एवरेस्ट' यहीं मौजूद है। यहां की शांति और हिमालयी सौंदर्य दुनिया को आकर्षित करती है.

ओ - ओमान : यह अरब देशों में सबसे शांतिपूर्ण और विकसित देश है, जिसकी परंपरा और अतिथि सत्कार अद्भुत है.

पी (पुर्तगाल) : यह देश अपने समुद्र तटों, ऐतिहासिक इमारतों और फुटबॉल के लिए मशहूर है.

क्यू - कतर यह काफी तेजी से विकसित होता देश है, जिसने 2022 का फीफा वर्ल्ड कप भी आयोजित किया था।

आ - रूस : यह दुनिया का सबसे बड़ा देश है, जो यूरोप और एशिया महाद्वीप - दोनों में फैला हुआ है है.

एस -स्पेन यह देश फ्लैमिंगो डांस, टोमाटीना फेस्टिवल, बुल फाइटिंग, स्वादिष्ट खाना और फुटबॉल के जुनून के लिए जाना जाता है।

टी- तुर्की यह देश एशिया और यूरोप के संगम पर स्थित है। यह देश अपनी मस्जिदों और ऐतिहासिक बाजारों के लिए भी जाना जाता है।

यू- युगांडा : इसे अफ्रीका का 'मोती' कहा जाता है, जहां प्राकृतिक सुंदरता और जीव-जंतुओं की विविधता देखने लायक है।

वी - यह देश युद्ध के इतिहास और हरे-भरे नजारों वाला देश है, जो अब पर्यटन के लिए तेजी से विकसित हो रहा है।

डब्लयू - वेल्स (वेल्स) : यह देश यूनाइटेड किंगडम का हिस्सा है, जहां किले, पहाड़ और संगीत संस्कृति का अहम स्थान है।

एक्स - इस अक्षर से कोई देश नहीं है।

वाय - यमन : यह देश दुनिया के नक्शे में मिडिल ईस्ट में मौजूद है, जिसकी ऐतिहासिक इमारतें और पुरानी सभ्यता बहुत प्रसिद्ध हैं.

जेड - जाम्बियायह भी अफ्रीका महाद्वीप का एक सुंदर देश है, जहां का शानदार विक्टोरिया फॉल्स दुनिया भर के टूरिस्ट्स को आकर्षित करता है।

चिड़ावा के बावलिया बाबा मंदिर में गूंजी 'वंदे गंगा' महा-आरती; सैकड़ों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

पंडित गणेशनारायण बावलिया बाबा महाराज मंदिर में शनिवार को 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के तहत भव्य महा-आरती का आयोजन हुआ। इसमें उमड़े जनसैलाब ने जल की हर बूंद बचाने का सामूहिक संकल्प लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर ने कहा कि जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाना समय की मांग है। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने चेताया कि जल संकट भविष्य की बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए सामुदायिक सहभागिता जरूरी है। अभियान के प्रदेश संयोजक मुकेश दाधीच ने बताया कि पूरे प्रदेश में जल स्रोतों के पुनर्जीवन के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व सांसद नरेंद्र खीचड़,ओबीसी आयोग सदस्य पवन मावंडिया, सीईओ पुरुषोत्तम धानका, एसीएम सुप्रिया कालेर, अभियान जिला समन्वयक विशंभर पूनिया, पूर्व प्रधान कैलाश मेघवाल, पूर्व नगर अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, भाजयुमो जिलाध्यक्ष जयसिंह मांठ, नगर अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, पूर्व पार्षद रविकांत शर्मा, पवन शर्मा नवहाल, अमित सैनी गोलू, राजेश वर्मा, राजू मराठा, हनुमान सिंह, अरुण दाधीच, सुनील भड़िया, पीयूष बाछूका, सज्जन गोदारा, दीपक जांगिड़, अशोक शर्मा, गंगाधर सैनी, मुकेश जलेंद्रा, मदन डारा, संतोष कुमार सैनी, महेंद्र मोदी, रजनीकांत मान, ख्याति केडिया, कौमल चौधरी, सुशील डाबला, मोहित तामड़ायत सहित प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और सैकड़ों गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

जिला में क्लाइमेट एक्शन थीम के साथ मनाया जाएगा विश्व पर्यावरण दिवस : पर्यावरण संरक्षण के लिए एकजुट होगा महेंद्रगढ़

डीसी अनुपमा अंजली ने पौधारोपण और स्वच्छता अभियानों के माध्यम से जन भागीदारी का किया आह्वान

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

आगामी 5 जून को मनाए जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र की क्लाइमेट एक्शन थीम को लेकर यह वैश्विक दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार के निर्देशों की अनुपालना में जिला महेंद्रगढ़ के सभी सरकारी संस्थानों, शैक्षणिक इकाइयों और औद्योगिक क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्यक्रमों का खाका तैयार किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य न केवल जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों के प्रति जनता को सचेत करना है, बल्कि टिकाऊ जीवन शैली और हरित प्रथाओं को बढ़ावा देना भी है।

उपायुक्त ने बताया कि इस उत्सव को केवल एक औपचारिक आयोजन तक सीमित न रखकर इसे जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा। इसके तहत पूरे जिले में सघन पौधारोपण अभियान, संगोष्ठी, कार्यशालाएं और स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे। विशेष रूप से प्लास्टिक के विरुद्ध अभियान और सामुदायिक संपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारियों का बोध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला नगर आयुक्त, जिला शिक्षा अधिकारी, औद्योगिक केंद्र और सभी नगर निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में इन गतिविधियों का सक्रियता से संचालन करें। शैक्षणिक संस्थानों को भी इस मुहिम में विशेष रूप से जोड़ा गया है ताकि युवा पीढ़ी में पर्यावरणीय संवेदनशीलता विकसित की जा सके। उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और जहरीली गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने की दिशा में अपना बहुमूल्य योगदान दें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिल सकें।

चोरी के शक में पेड़ से बांधकर पीटा, युवक की मौत के मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

पंडितपुरा की घटना में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, वीडियो फुटेज और साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को दबोचा।

भीम प्रज्ञा न्यूज.बसवा।

मनोज खंडेलवाल । पंडितपुरा गांव में चोरी के शक में युवक को पेड़ से बांधकर बेरहमी से मारपीट करने और उसकी मौत हो जाने के मामले में बसवा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वीडियो फुटेज, गोपनीय सूचना और अनुसंधान के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया है। वहीं मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच जारी है। जिला पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के निर्देश पर मामले को गंभीरता से लेते हुए सीओ मानपुर धर्मराज चौधरी के निकट पर्यवेक्षण तथा बसवा थानाधिकारी हनुमान सहाय के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस के अनुसार 28 मई 2026 को दिनेश मीणा घर से कटिंग कराने के लिए निकला था। इसी दौरान पंडितपुरा क्षेत्र में कुछ लोगों ने उस पर वाहन चोरी का शक जताते हुए उसे नीम के पेड़ से बांध दिया और कथित रूप से मारपीट की। गंभीर चोटों के कारण दिनेश मीणा की मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया था और मामले ने व्यापक चर्चा का विषय बनकर कानून व्यवस्था को लेकर भी कई सवाल खड़े किए थे।

प्रकरण में बसवा थाना पर मुकदमा संख्या दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। अनुसंधान के दौरान उपलब्ध वीडियो फुटेज, प्रत्यक्ष एवं परोक्ष साक्ष्यों तथा गोपनीय सूचनाओं के आधार पर अशोक सैनी, रिंकू सैनी, रायसिंह सैनी, महेन्द्र सैनी और गिर्राज सैनी के विरुद्ध अपराध प्रमाणित पाए जाने पर उन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच अभी जारी है। घटना के दौरान मौके पर मौजूद अन्य लोगों की भूमिका का भी गहन परीक्षण किया जा रहा है। वीडियो फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण किया जा रहा है तथा प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि घटना में और कौन-कौन लोग शामिल थे। पुलिस का कहना है कि अनुसंधान में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इंडो-नेपाल चैंपियनशिप में हिरवा गांव का भांजा रोहित कुमार ने जीता गोल्ड मेडल

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

नेपाल के पोखरा में आयोजित 'इंडो-नेपाल चैंपियनशिप 2026' मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट में हरियाणा के लाल रोहित कुमार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। झुंझुनूं के हिरवा गांव के दिलीप सिंह झाझड़िया के दोहिते जिला महेंद्रगढ़ गांव बरड़ा निवासी सूबेदार रवि प्रकाश लाम्बा (पूर्व- 12 रजरिफ) के सुपुत्र रोहित कुमार ने 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह स्वर्णिम सफलता हासिल की है। 26 मई से 30 मई 2026 तक नेपाल में आयोजित हुई इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में रोहित ने अपनी रफ्तार का लोहा मनवाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। रोहित की इस ऐतिहासिक जीत पर उन्हें 'हरियाणा का गौरव और भारत की शान' के खिताब से नवाजा जा रहा है। रोहित कुमार की इस अंतरराष्ट्रीय कामयाबी की खबर मिलते ही गांव बरड़ा सहित पूरे महेंद्रगढ़ जिले में जश्न का माहौल है। परिजनों और खेल प्रेमियों को बधाई देने वालों का ताँता लगा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि देश का मान बढ़ाकर लौट रहे अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट रोहित कुमार के गृह राज्य और गांव आगमन पर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ग्रामीण और खेल संगठन ढोल-नगाड़ों व फूल-मालाओं के साथ उनका ऐतिहासिक स्वागत करेंगे। इस मौके पर मामा धर्मेन्द्र झाझड़िया, जितू झाझड़िया, सतेन्द्र यादव, अमित सैनी गोलू, पवन शर्मा नवहाल, अमित चौटिया, रजनीकान्त सहित परिवार जनों ने शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

परिंदों की प्यास बुझाने को बढ़े हाथ, मंडावर में 'एक परिंडा पक्षियों के नाम' अभियान शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । भीषण गर्मी के दौर में पक्षियों को राहत पहुंचाने और जीव संरक्षण के प्रति जनजागरण का संदेश देने के उद्देश्य से ब्राह्मण समाज मंडावर के तत्वावधान में शनिवार को "एक परिंडा पक्षियों के नाम" अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान की शुरुआत मंडावर स्थित ब्राइट एंबेसी पब्लिक स्कूल परिसर में परिंडे लगाकर की गई, जहां समाज के लोगों ने पक्षियों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते तापमान और जलस्रोतों की कमी के कारण पक्षियों के सामने पानी का संकट गहराता जा रहा है। ऐसे में घरों, सार्वजनिक स्थलों और संस्थानों में परिंडे लगाना केवल सामाजिक दायित्व ही नहीं, बल्कि प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का प्रतीक भी है। उन्होंने आमजन से भी अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर परिंडे लगाने तथा नियमित रूप से उनमें पानी भरने की अपील की। अभियान के शुभारंभ अवसर पर ब्राइट एंबेसी पब्लिक स्कूल के संचालक नरेश सोनी, ब्राह्मण समाज मंडावर के कोषाध्यक्ष पवन जोशी, गोपाल खंडेलवाल सहित समाज के कई गणमान्य लोग मौजूद रहें।

नारनौल में 4 घंटे में ढूंढ निकाला लापता बच्चा:राजस्थान के बहरोड़ क्षेत्र से मिला

परिजनों की डांट से घर से चला गया था

भीम प्रज्ञा न्यूज

नारनौल । महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल शहर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घर से बिना बताए चले गए एक बच्चे को महज 4 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्चा मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम की सराहना की। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि 29 मई को शहर क्षेत्र के एक परिवार ने सूचना दी कि उनका नाबालिग बेटा (16) सुबह करीब 10 बजे बिना किसी को बताए घर से कहीं चला गया है। बच्चे के अचानक लापता होने की सूचना मिलते ही थाना शहर नारनौल पुलिस हरकत में आ गई और मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल तलाश अभियान शुरू किया गया।

डांटने की वजह से था नाराज

प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि परिजनों द्वारा किसी बात पर डांट दिए जाने से बच्चा नाराज हो गया था और इसी वजह से घर छोड़कर चला गया। बच्चे की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए थाना शहर नारनौल में तैनात एएसआई प्रीतम और उनकी टीम ने आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ शुरू की तथा संभावित स्थानों पर तलाश अभियान चलाया।

बहरोड़ क्षेत्र से मिला

पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता और स्थानीय स्तर पर जुटाई गई सूचनाओं के आधार पर लगातार प्रयास जारी रखे। इसी दौरान टीम को बच्चे के राजस्थान की ओर जाने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए राजस्थान के बहरोड़ क्षेत्र से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया।

पुलिस ने बच्चे को समझाया

सूचना मिलने के मात्र चार घंटे के भीतर बच्चे की बरामदगी से परिजनों को बड़ी राहत मिली। पुलिस ने बच्चे को समझाइश दी और उसके बाद उसे सुरक्षित उसके माता-पिता के हवाले कर दिया।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष को काले झंडे दिखाए गए, एसपी का ट्रांसफर

भीम प्रज्ञा न्यूज

नागौर । कुचामन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को रालोपा कार्यकर्ताओं की ओर से काले झंडे दिखाने के मामले में तहसीलदार के बाद अब डीडवाना-कुचामन जिले के SP का भी तबादला कर दिया गया है। ज्ञानचंद यादव को 20 मई को ही डीडवाना-कुचामन का एसपी नियुक्त किया गया था। महज 10 दिन में ही उन्हें हटा दिया गया है। ज्ञानचंद्र यादव को एसपी सिविल राइट्स जयपुर के पद पर लगाया गया है। यादव की जगह डॉक्टर प्यारेलाल शिवरान जिले के नए एसपी होंगे। डॉ. प्यारेलाल शिवरान पहले एसपी सीआईडी सीबी जयपुर के पद पर तैनात थे। इससे पहले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) के कार्यकर्ताओं को जमानत देने वाले कुचामन-डीडवाना तहसीलदार कैलाश ईनाणिया का ट्रांसफर कर दिया गया। देर रात कलेक्टर के आदेश पर उन्हें बांसवाड़ा के गांगड़तलाई भेज दिया गया।

चूरू में वंदे गंगा अभियान, पक्षियों के लिए परिंडे लगाए: भाजपा कार्यकर्ताओं ने जल संरक्षण का संदेश दिया

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । चूरू में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत शनिवार को भाजपा नगर मंडल उत्तर एवं दक्षिण द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम चूरू चौपाटी में हुआ। विधायक हरलाल सहारण के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की और परिंडे लगाए। इसके साथ ही, सरोवर में पूजा-अर्चना कर जल संरक्षण का संदेश भी दिया गया। विधायक हरलाल सहारण ने इस अवसर पर कहा कि भीषण गर्मी में पक्षियों और पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था करना मानवीय संवेदनशीलता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि भाजपा 'सेवा ही संगठन' की भावना के साथ समाज और पर्यावरण से जुड़े कार्यों में निरंतर सक्रिय रहती है। सहारण ने आमजन से भी अपने घरों और आसपास पक्षियों के लिए परिंडे लगाने तथा पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था करने की अपील की। भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं में सेवा भावना भरी हुई है, और प्रकृति संरक्षण को भाजपा की पंचनिष्ठाओं में विशेष महत्व दिया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि इस अभियान के तहत कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की, पक्षियों के लिए परिंडे लगाए और ऐतिहासिक जोहड़ में श्रमदान व पूजा-अर्चना कर जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया, भास्कर शर्मा, नरेंद्र सैनी, सुरेश सारस्वत, धर्मेंद्र रोकसिया, नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, महेंद्र चौबे, विश्वनाथ राजगुरु, दीनदयाल सैनी, महेश मिश्रा, मोहन गढ़वाल, नीरज जांगिड़, नोमान खान, विकास बांठिया, सीपी शर्मा, जेपी प्रजापत, ओम इंदोरिया, रजत शर्मा, कमल सैनी, मुकेश ओझा, आकाश सैनी, संतोष महनसरिया, श्रीराम पीपलवा, अजय तंवर, बंशी बाल्मीकि, दिनेश बावलिया, सुनील ढाका, रवि दाधीच सहित कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

झुंझुनूं में हर महीने ढाई करोड़ यूनिट बिजली बन रही:घरों और खेतों में लगे सोलर प्लांट

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । झुंझुनूं जिले में सौर ऊर्जा योजनाओं ने बिजली व्यवस्था की तस्वीर बदल दी है। कभी सोलर बिजली उत्पादन में लगभग शून्य स्थिति वाला जिला अब हर महीने करीब 2.75 करोड़ यूनिट ग्रीन बिजली पैदा कर रहा है। इसके चलते बिजली कटौती, ट्रिपिंग और ओवरलोडिंग जैसी समस्याओं में बड़ी कमी आई है। अजमेर विद्युत वितरण निगम (एवीवीएनएल) झुंझुनूं के अधीक्षण अभियंता महेश टीबड़ा ने बताया कि जिले में पिछले तीन वर्षों के दौरान सौर ऊर्जा उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्तमान में जिले की मासिक बिजली आवश्यकता करीब 21 से 22 करोड़ यूनिट है, जिसमें सौर ऊर्जा का योगदान लगातार बढ़ रहा है।

दिन में घटा लोड, कम हुई शिकायतें

महेश टीबड़ा के अनुसार पहले गर्मियों में दिन के समय बिजली लाइनों और ट्रांसफार्मरों पर अत्यधिक भार पड़ने से फॉल्ट और बिजली कटौती की स्थिति बनती थी। अब दिन में तेज धूप के दौरान हजारों सोलर प्लांट बड़ी मात्रा में बिजली उत्पादन कर सीधे ग्रिड में आपूर्ति कर रहे हैं। इससे बिजली तंत्र पर दबाव कम हुआ है और उपभोक्ताओं की शिकायतों में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

गुढ़ागौड़जी में तेज आंधी-बारिश, स्टेट हाईवे पर गिरा पेड़

सड़क पर आए होर्डिंग, जनजीवन प्रभावित; लोगों को गर्मी से मिली राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज

जाखल (नवलगढ़) । गुढ़ागौड़जी कस्बे और आसपास के इलाकों में शनिवार शाम मौसम ने अचानक करवट ली। तेज धूलभरी आंधी और बारिश के कारण आसमान धूल के गुबार से भर गया, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। आंधी के दौरान स्टेट हाईवे-37 पर टीटनवाड़ गांव के पास पेड़ गिर गए, जिससे वाहनों की लंबी लाइन लग गई। कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ। सड़क किनारे लगे निजी संस्थानों के बड़े-बड़े होर्डिंग भी तेज हवा का दबाव नहीं झेल पाए और टूटकर सड़क पर आ गिरे। गनीमत रही कि उस समय सड़क पर वाहनों की आवाजाही कम थी, जिससे कोई बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई स्थानों पर नियमों के विपरीत लगाए गए होर्डिंग लंबे समय से दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की है।

गुढ़ागौड़जी एसएचओ सुरेश रोलन और कांस्टेबल भूपेंद्र निलंबित: गंभीर शिकायतों के बाद उच्च अधिकारियों ने लिया संज्ञान

भीम प्रज्ञा न्यूज

जाखल (नवलगढ़) । गुढ़ागौड़जी पुलिस थाने के थाना प्रभारी (एसएचओ) सुरेश रोलन और कांस्टेबल भूपेंद्र को निलंबित कर दिया गया है। इस प्रशासनिक कार्रवाई से क्षेत्र के पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ लंबे समय से विभाग को विभिन्न गंभीर शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया और विस्तृत जांच के आदेश दिए। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर विभाग ने कार्रवाई करते हुए दोनों को निलंबित कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, वरिष्ठ अधिकारियों ने संबंधित शिकायतों की रिपोर्ट और जांच निष्कर्षों का गहन अध्ययन करने के बाद यह निर्णय लिया। हालांकि, विभाग की ओर से अभी तक निलंबन के कारणों को लेकर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। फिर भी, इस कार्रवाई को गंभीर शिकायतों से जोड़कर देखा जा रहा है। एसएचओ सुरेश रोलन और एक कांस्टेबल के एक साथ निलंबित होने की घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अनुशासन और जवाबदेही बनाए रखने के लिए किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिकायत को गंभीरता से लिया जाता है। दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। नवलगढ़ सीओ मुकेश जोशी ने बताया कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है क्योंकि वह सुबह से उदयपुरवाटी में हैं।

बेनीवाल बोले-IG मेरे आगे हाथ जोड़ रहे : कलेक्टर को बोनट पर बैठाकर फैसला कराया था, बीजेपी के नेता मेरे आगे गिड़गिड़ाते हैं

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) के सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा- मेरी सुरक्षा इन लोगों ने हटा दी, उनकी औकात ही क्या है? मेरी सुरक्षा तो राजस्थान के जवान करेंगे, मुझे उनकी सुरक्षा की कोई जरूरत नहीं है। आपकी पुलिस तो मेरे आगे गिड़गिड़ाती है। दो-दो आईजी मेरे हाथ जोड़ रहे थे, कलेक्टर को तो मैंने बोनट पर बिठा कर फैसला कराया था। आज ये लोग मुझे आंख दिखा रहे हैं? मैं वही हूं, कल नए रूप में लौट कर आऊंगा। बेनीवाल ने कहा- सरकार उनकी राजनीतिक गतिविधियों को रोकना चाहती है, लेकिन मैं दबाव में आने वाले नहीं हैं। साधु-संतों और जनहित के मुद्दों को उठाने वाले कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं और उन्हें जेल भेजा जा रहा है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा कथित सामाजिक बहिष्कार संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बेनीवाल ने कहा- मामले को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे और कानूनी कार्रवाई करेंगे। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी व्यक्ति या समाज के खिलाफ इस तरह का फरमान नहीं दिया जा सकता। बेनीवाल ने कहा- कुचामन में लोगों का विरोध आरएलपी के खिलाफ नहीं बल्कि पानी, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर था, लेकिन उसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। जयपुर में मीडिया से बातचीत में बेनीवाल ने ये बातें कही।

सांसद ने भाजपा सरकार पर पेपर लीक, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलताओं को लेकर भी सवाल उठाए। बेनीवाल ने कहा- कांग्रेस शासन के दौरान भाजपा नेताओं ने राजस्थान लोक सेवा आयोग के पुनर्गठन और पेपर लीक माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद अपने वादे पूरे नहीं कर पाए। बेनीवाल ने दावा किया कि लोकसभा चुनावों में भाजपा को कई सीटों पर मेरी वजह से फायदा हुआ था। बीजेपी के लोग हाथ फैला कर मेरे दरवाजे पर आए थे। पहले 25 सीट दिलाई थी।

अरुट महाराज जयंती पर संयुक्त शोभायात्रा

हनुमानगढ़ में हजारों लोग शामिल, युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज

हनुमानगढ । हनुमानगढ़ में अरोड़वंश समाज के आदि प्रवर्तक अरुट महाराज की जयंती पर शनिवार को सामाजिक एकता का प्रदर्शन हुआ। पहली बार हनुमानगढ़ जंक्शन और टाउन के अरोड़वंश समाज ने संयुक्त रूप से शोभायात्रा निकाली। इस दौरान अरुट महाराज के जयकारों से शहर का वातावरण भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा का शुभारंभ जंक्शन स्थित अरोड़वंश धर्मशाला से हुआ। सुसज्जित रथों, धार्मिक झांकियों और डीजे के साथ निकली यह यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए टाउन स्थित अरोड़वंश धर्मशाला पर संपन्न हुई। इसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग पैदल, दुपहिया और चारपहिया वाहनों के साथ शामिल हुए। मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न स्थानों पर छबील, शीतल जल, लस्सी और अन्य पेय पदार्थों की व्यवस्था भी की गई थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. निशांत बतरा ने कहा कि अरुट महाराज ने समाज को भाईचारे, अहिंसा, परिश्रम और स्वाभिमान का मार्ग दिखाया।

उदयपुरवाटी में 20 एमएम बारिश

झुंझुनूं स्टेट हाईवे पर पानी भरा, 2 घंटे बंद रही बिजली सप्लाई

भीम प्रज्ञा न्यूज

उदयपुरवाटी । उदयपुरवाटी शहर और आसपास के इलाकों में शनिवार शाम को 20 एमएम बारिश दर्ज की गई। दिनभर की तेज धूप और गर्मी के बाद हुई इस बरसात से लोगों को काफी राहत मिली। नोतपा के दौरान शनिवार सुबह से ही तेज धूप के कारण गर्मी बढ़ गई थी। दोपहर में शहर की सड़कें सुनसान हो गईं, जिससे लोग गर्मी से परेशान थे। शाम करीब 4 बजे तेज हवा के साथ हल्की बारिश का दौर शुरू हुआ। लगभग दो घंटे तक चली ठंडी हवा और हल्की बारिश से मौसम सुहावना हो गया। तहसीलदार जेआर कूड़ी के अनुसार, शाम को कुल 20 एमएम बरसात रिकॉर्ड की गई। बारिश के कारण चुंगी नंबर तीन से नई मंडी तक झुंझुनूं स्टेट हाईवे पर पानी भर गया, जिससे आवागमन में लोगों को परेशानी हुई। तेज हवा के चलते शहर की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। लगभग दो घंटे तक 33 केवीए जीएसएस बंद रहा।

आज रामगढ़ के लोग नहीं निकल सकेंगे घरों से बाहर, सभी को दी सचेत रहने की सलाह

–लोग करें सुरक्षा निर्देशों का पालन, डीआरडीओ हाई-पावर बम का करने जा रहा टेस्ट

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला जिले में रामगढ़ रेंज के पास रहने वाले लोगों को रविवार को घर में ही रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) इस सुविधा केंद्र पर एक हाई-पावर बम का टेस्ट करने जा रहा है। यह ट्रायल टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी द्वारा किया जाएगा। यह डीआरडीओ की एक प्रमुख प्रयोगशाला है जो गोला-बारूद, विस्फोटक और हथियार प्रणालियों के परीक्षण और मूल्यांकन में विशेषज्ञता रखती है।

एहतियात के तौर पर स्थानीय अधिकारियों से कहा गया है कि वे टेस्टिंग रेंज के पास स्थित गांवों के लोगों को सचेत करें। लोगों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित टेस्टिंग समय में अपने घरों के अंदर ही रहें और खुले इलाकों में जाने से बचें। प्रशासन ने जोर देकर कहा है कि यह अभ्यास रक्षा से जुड़ा एक नियमित टेस्ट है और इसमें घबराने की बात नहीं। लोगों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे अफ़वाहों पर ध्यान न दें और अधिकारियों द्वारा जारी सभी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीआरडीओ वैज्ञानिकों द्वारा साझा की गई जानकारी के मुताबिक ट्रायल के दौरान होने वाला धमाका इतना ज़ोरदार हो सकता है कि बम के टुकड़े हवा में 1.5 किलोमीटर तक दूर जा सकते हैं। अधिकारियों ने धमाके वाली जगह के करीब दो किलोमीटर के दायरे को टुकड़ों से होने वाले ख़तरे वाले इलाके के रूप में भी घोषित किया है। टेस्टिंग में प्रतिबंधित इलाकों में प्रवेश पर कड़ी नजर रखी जाएगी ताकि आम लोगों की सुरक्षा तय की जा सके।

पूरी टेस्टिंग प्रक्रिया कड़े सुरक्षा नियमों के तहत की जाएगी और भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने इसकी निगरानी की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह तय करने के लिए व्यापक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं कि ट्रायल सुरक्षित रूप से हो और आस-पास के समुदायों पर इसका कोई बुरा असर न पड़े। पंचकूला के उपायुक्त को भेजे गए एक संदेश में, टीबीआरएल के टेक्नोलॉजी डायरेक्टर ने अनुरोध किया कि भानु और बिल्ला गाँवों के लोगों को टेस्ट के दौरान घर के अंदर रहने का निर्देश दिया जाए।

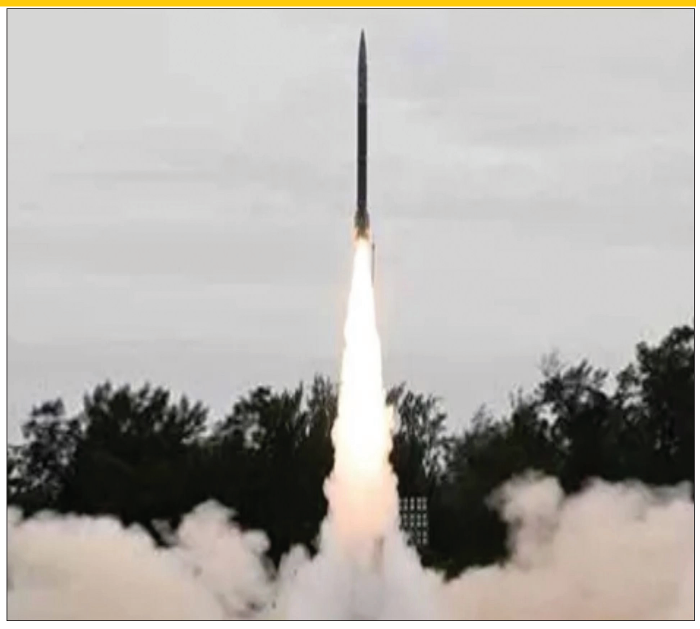

चिलचिलाती धूप व गर्मी में खुले मैदान में जरांगे का अनशन फिर शुरु

-महाराष्ट्र सरकार पर बढ़ा दबाव, मंत्री पाटिल 400 किमी दूर मनाने पहुंचे

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने शनिवार को जालना जिले में भीषण गर्मी के बीच अपना नौवां अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया, जिससे आरक्षण के मुद्दे पर राज्य सरकार पर दबाव और बढ़ गया। अंतरवाली सराटी गांव में आंदोलन शुरू होते ही मराठा आरक्षण मंत्रिमंडलीय उप–समिति के अध्यक्ष और मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल वहां पहुंचे और जरांगे से बात कर उन्हें आंदोलन वापस लेने का प्रयास किया। मुंबई से करीब 400 किलोमीटर दूर स्थित अंतरवाली सराटी गांव में जरांगे ने भीषण गर्मी के बावजूद बिना किसी टेंट या छाया के खुले मैदान में अनशन शुरू किया। जरांगे सरकार से बार–बार कहते रहे हैं कि वह मराठा समुदाय की ''अग्निपरीक्षा'' न ले। उन्होंने यह भी संकल्प जताया कि उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई होने तक आंदोलन जारी रहेगा। जरांगे ने मराठा समुदाय के सदस्यों को ओबीसी आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने की अपनी मांग दोहराई है। इसके अलावा उन्होंने हैदराबाद और सातारा गजट अभिलेख लागू करने और आरक्षण आंदोलन में भाग लेने वाले मराठा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की भी मांग की है। उन्होंने अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए बने मंत्रालय की तर्ज पर मराठा समुदाय के लिए अलग मंत्रालय बनाने की मांग की।

वंदे मातरम् विवाद पर भूपेश बघेल का भाजपा को खुला चैलेंज, बोले– बिना देखे गाकर दिखाएं

रायपुर (एजेंसी)। केरल में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को लेकर छिड़े राजनीतिक विवाद के बीच छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। रायपुर में मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वे एक साथ बिना देखे वंदे मातरम् गाकर दिखाएं। भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस की परंपरा में वंदे मातरम् हमेशा से शामिल रहा है और पार्टी के कार्यक्रमों की शुरुआत इसी गीत से होती है। उन्होंने दावा किया कि जिला स्तर से लेकर बड़े आयोजनों तक कांग्रेस कार्यकर्ता नियमित रूप से वंदे मातरम् गाते हैं, जबकि भाजपा के लोग इस विषय पर केवल राजनीति करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के जिला, ब्लॉक और प्रदेश स्तर के कार्यक्रमों में वंदे मातरम् का गायन एक परंपरा है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग आज राष्ट्रवाद की बात करते हैं, वे पहले कभी वंदे मातरम् गाते तक नजर नहीं आते थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक विवाद का विषय बनाने के बजाय उनका सम्मान किया जाना चाहिए। अपने हालिया दिल्ली दौरे को लेकर भी भूपेश बघेल ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनकी मुलाकात कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से हुई। बघेल ने कहा कि बैठक में विशेष रूप से पंजाब की राजनीतिक स्थिति और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा हुई। संगठन को मजबूत करने और चुनावी रणनीति को लेकर भी विचार–विमर्श किया गया। केंद्र में भाजपा सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर शुरू किए जा रहे महाजनसंपर्क अभियान पर भी पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भाजपा को जनसंपर्क अभियान अवश्य चलाना चाहिए, क्योंकि जनता उनके जवाब का इंतजार कर रही है। भूपेश बघेल ने कहा कि महाजनसंपर्क अभियान के दौरान जनता भाजपा से महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और अन्य जनहित के मुद्दों पर सवाल पूछेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार को अब जनता के सवालों का जवाब देना होगा।

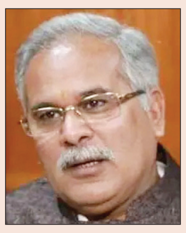

उत्तरकाशी में खाई में गिरी कार, 2 की मौत, 3 गंभीर घायल अस्पताल में भर्ती

-एसडीआरएफ ने अंधेरे और विषम परिस्थितियों के बीच चलाया रेस्क्यू

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में जनपद उत्तरकाशी के गंगनानी क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद एसडीआरएफ ने अंधेरे और विषम परिस्थितियों के बीच बचाव अभियान चलाकर सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक गंगनानी–भटवाड़ी मार्ग पर स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पोस्ट भटवाड़ी की टीम उपनिरीक्षक गब्बर सिंह और पोस्ट उजेली की टीम आरक्षी शक्ति सिंह के नेतृत्व में आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचने पर टीम ने पाया कि वाहन गहरी खाई में दुर्घटनाग्रस्त पड़ा है। कार में कुल पांच लोग सवार थे, जिनमें से 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल थे। एसडीआरएफ जवानों ने रात के अंधेरे में रेस्क्यू अभियान चलाकर घायलों को खाई से बाहर निकाला। प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें अस्पताल भिजवाया गया। वहीं, मृतकों के शवों को भी खाई से बाहर निकालकर पुलिस के हवाले कर दिया। हादसे में घायल होने वालों में विमल कुमार प्रधान (61), उपासना प्रधान (54) निवासी भुवनेश्वर और यशवीर (35) निवासी पंजाब शामिल हैं। दुर्घटना में दामोदर हरीराम रामटेककर (77) एवं लक्ष्मी दामोदर रामटेककर (67) निवासी नागपुर, महाराष्ट्र की मृत्यु हो गई। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

कल्याण में ऑनर किलिंग का सनसनीखेज मामला- प्रेम विवाह से नाराज पिता ने बेटी की हत्या की

कल्याण (एजेंसी)। मुंबई से सटे कल्याण शहर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। प्रेम विवाह करने से नाराज एक पिता ने अपनी ही विवाहित बेटी की हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कल्याण पश्चिम के पार नाका इलाके में रहने वाली गायत्री वसईकर ने कुछ महीने पहले अपने परिवार की इच्छा के विरुद्ध जाकर अपने प्रेमी से विवाह किया था। बताया जा रहा है कि परिवार ने पहले उसका रिश्ता कहीं और तय किया था और सगाई भी हो चुकी थी। हालांकि, गायत्री ने वह रिश्ता तोड़कर अपनी पसंद के युवक से शादी कर ली थी। परिजनों के अनुसार, बेटी के इस फैसले से उसके पिता विनोद वसईकर बेहद नाराज थे। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में लंबे समय से तनाव बना हुआ था। घटना वाले दिन गायत्री अपने मायके आई हुई थी। दोपहर के भोजन के बाद घर में एक बार फिर शादी और परिवार की नाराजगी को लेकर चर्चा शुरू हुई, जो धीरे–धीरे विवाद में बदल गई। पुलिस की प्रारंभिक जांच के मुताबिक, बेटी द्वारा परिवार की इच्छा के खिलाफ जाकर विवाह करने की बात को लेकर आरोपी पिता के मन में गहरा आक्रोश था। विवाद बढ़ने पर उन्होंने एक धारदार हथियार से बेटी पर हमला कर दिया। हमले में गायत्री गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे गहरी चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। गंभीर हालत के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पिता वहां से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बाजारपेठ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी की तलाश की और कुछ ही समय में उसे गिरफ्तार कर लिया। इस घटना ने पूरे कल्याण क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बन गया है कि पारिवारिक मतभेद और सामाजिक दबाव किस हद तक पहुंच सकते हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और उसे अदालत में पेश करने की तैयारी की जा रही है। जांच अधिकारी अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि घटना से पहले घर में क्या परिस्थितियां थीं और विवाद किस तरह हिंसक रूप ले बैठा। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

अमरनाथ यात्रा के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम, 80 हजार जवान रहेंगे तैनात

–दो माह तक चलने वाली यात्रा में 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

श्रीनगर (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा 2026 को लेकर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए जा रहे हैं। 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलने वाली इस वर्ष की यात्रा के लिए 80 हजार से अधिक सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार यह अमरनाथ यात्रा के इतिहास की सबसे बड़ी सुरक्षा व्यवस्था मानी जा रही है।

सुरक्षा योजना के तहत लगभग 60 हजार अर्धसैनिक बलों के जवानों को जम्मू-कश्मीर में तैनात किया जाएगा। इसके लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की करीब 700 कंपनियां विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में लगाई जाएंगी। इनके अलावा पहले से तैनात जम्मू-कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना के करीब 20 हजार जवान भी यात्रा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

यात्रा मार्गों, आधार शिविरों, संवेदनशील स्थानों और श्रद्धालुओं के ठहराव केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा एजेंसियां आधुनिक तकनीक, निगरानी उपकरणों और बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के जरिए यात्रा को सुरक्षित और सुचारु बनाने की तैयारी में जुटी हैं। इस वर्ष सुरक्षा बढ़ाने का एक प्रमुख कारण यात्रा की अवधि में वृद्धि भी है। पिछले वर्ष यात्रा 38 दिनों तक चली थी, जबकि इस बार इसकी अवधि लगभग दो महीने निर्धारित की गई है। लंबी अवधि के कारण अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। प्रशासन को उम्मीद है कि इस बार देशभर से 5 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। इसे देखते हुए सुरक्षा के साथ-साथ यातायात, स्वास्थ्य सेवाओं, आवास और आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाओं को भी मजबूत किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यात्रा के दौरान किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सुरक्षा बलों तथा प्रशासन के बीच समन्वित व्यवस्था बनाई गई है। इससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित की जा सकेगी।

केजरीवाल बोले- शिक्षा व्यवस्था माफिया के चंगुल में

–वायुसेना के विमान से प्रश्नपत्र पहुंचाने के प्रस्ताव पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक रोकने के लिए वायुसेना के विमानों के इस्तेमाल संबंधी प्रस्तावित व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि केवल प्रश्नपत्रों के परिवहन का तरीका बदलने से पेपर लीक जैसी समस्याएं खत्म नहीं होंगी और इसके लिए मजबूत एवं पारदर्शी व्यवस्था की आवश्यकता है।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने बयान में केजरीवाल ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता पेपर लीक रोकने की बजाय दिखावटी उपायों पर केंद्रित दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था परीक्षा माफिया के प्रभाव में आ चुकी है और इसे सुधारने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयासों की जरूरत है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट-यूजी परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के बाद रद्द कर दी गई थी। अब इसकी पुनर्परीक्षा 21 जून को प्रस्तावित है। इसी बीच, देशभर में आयोजित सीयूईटी-यूजी परीक्षा के दौरान भी कुछ केंद्रों पर तकनीकी समस्याओं की शिकायतें सामने आई हैं।

आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने भी वाराणसी के एक परीक्षा केंद्र पर कथित सर्वर समस्या का मुद्दा उठाया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में छात्रों को परीक्षा शुरू होने में हुई देरी से परेशान दिखाया गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने परीक्षा प्रबंधन पर सवाल उठाए और कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में लापरवाही स्वीकार्य नहीं है।

नीट और सीयूईटी को लेकर उठे सवालों के बीच परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता, तकनीकी तैयारी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बहस तेज हो गई है। विपक्षी दल जहां सरकार को घेर रहे हैं, वहीं केंद्र और परीक्षा एजेंसियां निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा कराने का भरोसा जता रही हैं।

आईएसआई और अंडरवर्ल्ड नेटवर्क से जुड़े 9 संदिग्ध गिरफ्तार

–दिल्ली पुलिस का बड़ा दावा– धार्मिक स्थलों और सरकारी प्रतिष्ठानों को बना सकते थे निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी कार्रवाई में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क से कथित रूप से जुड़े 9 संदिग्धों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से हथियार, ग्रेनेड और अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह समूह दिल्ली, मुंबई और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े हमलों की साजिश रच रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इनके संभावित निशानों में प्रमुख धार्मिक स्थल, सरकारी इमारतें, मंत्रालय और सुरक्षा बलों से जुड़े प्रतिष्ठान शामिल थे। हालांकि इन आरोपों की जांच अभी जारी है और मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया चल रही है। सूत्रों के अनुसार, यह कथित मॉड्यूल लंबे समय से सक्रिय था और इसके कुछ सदस्य पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के संपर्क में थे। पुलिस सूत्रों का कहना है, कि गिरफ्तार आरोपियों में दिल्ली, मुंबई और पंजाब से जुड़े लोग शामिल हैं, जबकि कुछ नेपाली नागरिक भी हिरासत में लिए गए हैं।

जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क के मास्टरमाइंड, फंडिंग चैनल और स्थानीय सहयोगियों की भूमिका की पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि इस मॉड्यूल को संचालित करने के लिए एक व्यापक लॉजिस्टिक और संपर्क तंत्र का इस्तेमाल किया जा रहा था।

पुलिस ने बताया कि फिलहाल संदिग्धों से पूछताछ जारी है और उनके डिजिटल रिकॉर्ड, वित्तीय लेन-देन तथा संपर्कों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां उन भारतीय मददगारों और विदेशी संचालकों की पहचान करने का प्रयास कर रही हैं, जिन्होंने कथित तौर पर इस नेटवर्क को सहायता प्रदान की। अधिकारियों के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद मामले से जुड़े और तथ्य सामने आ सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा संवेदनशील मामला बताते हुए सतर्कता बढ़ा दी है।

राजस्थान में रेतीले बवंडर का कहर, दिन में छाया अंधेरा

–80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी

–पेड़ और बिजली पोल गिरे, सीमा से सटे इलाकों में सबसे अधिक असर

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में शनिवार को आए भीषण रेतीले तूफान ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर जिलों में दोपहर के समय तेज रेतीला बवंडर उठने से दिन में ही अंधेरे जैसी स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि इसका प्रभाव लगभग 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में देखा गया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर क्षेत्र से हुई, जिसके बाद यह तेजी से आसपास के जिलों में फैल गया। इस दौरान 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। धूल और रेत के घने गुबार के कारण दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे लोगों को दिन के समय भी वाहनों की हेडलाइट जलाकर सफर करना पड़ा।

तूफान के वीडियो हुए वायरल

तूफान के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें लोग तेज हवाओं और धूल से बचने के लिए घरों और दुकानों की ओर भागते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतना व्यापक और घना रेतीला तूफान नहीं देखा। कुछ लोगों के अनुसार धूल का गुबार 80 से 100 फीट तक ऊंचा दिखाई दे रहा था, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पेड़ जड़ से उखड़े

तेज आंधी के कारण कई स्थानों पर पेड़ जड़ समेत उखड़ गए और बिजली के खंभों को भी नुकसान पहुंचा। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर नजर बनाए रखी है। राहत की बात यह है कि समाचार लिखे जाने तक किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं मिली। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, यह रेतीला तूफान पाकिस्तान की ओर से उठी धूलभरी हवाओं के प्रभाव के कारण राजस्थान के सीमावर्ती जिलों तक पहुंचा। मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने, अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने और मौसम संबंधी चेतावनियों पर ध्यान देने की सलाह दी है। अगले कुछ घंटों तक क्षेत्र में तेज हवाओं और मौसम में बदलाव की संभावना बनी हुई है।

अब नहीं होना पड़ेगा एलपीजी गैस पर निर्भर, रसोई का बदल जाएगा स्वरूप

–केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इथेनॉल आधारित आधुनिक कुक स्टोव का किया अनावरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में इथेनॉल आधारित एक आधुनिक कुक स्टोव का अनावरण किया है, जिसे घरेलू रसोई में एलपीजी गैस सिलेंडर का सस्ता, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल विकल्प माना जा रहा है। यह पूरी तरह भारत में विकसित और निर्मित तकनीक है, जिसका मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के क्षेत्र में देश की विदेशी निर्भरता को कम करना और घरेलू संसाधनों के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देना है।

विशेषज्ञों के मुताबिक यह चूल्हा भविष्य में आम लोगों की रसोई का स्वरूप बदल सकता है। इस चूल्हे की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे चलाने के लिए इथेनॉल को पानी में मिलाया जाता है। जानकारी के मुताबिक पानी में केवल सात फीसदी इथेनॉल मिलाकर इसे जलाया जा सकता है। यह मिश्रण तेज नीली लौ पैदा करता है, जिससे खाना करीब उसी गति से पकता है जैसे एलपीजी गैस चूल्हे पर पकता है। चूंकि इसमें तरल ईंधन का इस्तेमाल होता है, इसलिए एलपीजी सिलेंडर की तरह उच्च दबाव या विस्फोट का खतरा नहीं रहता, जिससे यह घरेलू उपयोग के लिए अधिक सुरक्षित माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह चूल्हा पर्यावरण के लिहाज से भी काफी बेहतर है। इसके जलने पर हानिकारक धुआं या प्रदूषणकारी गैसें बहुत कम निकलती हैं, जिससे यह स्वच्छ ऊर्जा के रूप में उभर सकता है। इसके अलावा, पानी के साथ सीमित मात्रा में इथेनॉल के उपयोग के कारण इसकी ईंधन लागत भी काफी कम हो सकती है। अनुमान है कि इथेनॉल की कीमत 60 से 70 रुपए प्रति लीटर के आसपास हो सकती है, जिससे मासिक खर्च एलपीजी सिलेंडर की तुलना में काफी कम पड़ेगा। दुनिया के कई देश ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और पेट्रोलियम पर निर्भरता कम करने के लिए इथेनॉल आधारित ईंधन को बढ़ावा दे रहे हैं।

बता दें इथेनॉल जैसे वैकल्पिक ईंधन की अवधारणा को 1973 के वैश्विक तेल संकट के बाद तेजी मिली थी, जब अरब देशों द्वारा तेल निर्यात पर प्रतिबंध लगाए जाने से दुनिया को ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा था। विशेषज्ञ मानते हैं कि इथेनॉल आधारित यह नया चूल्हा भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक अहम पहल साबित हो सकता है। इससे किसानों को भी लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि इथेनॉल उत्पादन के लिए कृषि आधारित उत्पादों की मांग बढ़ेगी।

कर्नाटक के नए सीएम के सामने होंगी राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक चुनौतियां

–कार्यभार संभालने से पहले शिवकुमार के सामने मंत्रियों की परिषद चुनने की चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में बड़ी राजनीतिक हलचल के बीच सिद्दरमैया ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और उम्मीद है कि डीके शिवकुमार राज्य के नए सीएम होंगे। कर्नाटक के नए सीएम के सामने कई चुनौतियां भी होंगी जिनमें राजनीतिक, प्रशासनिक और आर्थिक चुनौतियां हैं। इनमें नई कैबिनेट में क्षेत्रीय और जातिगत समीकरणों को संतुलित करने से लेकर, वित्तीय दबाव के बीच कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखना और राजनीतिक रूप से संवेदनशील मेकेदातु जलाशय मुद्दे को सुलझाना शामिल है। ये काम शिवकुमार के लिए मुश्किलों भरा रहने वाला है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक औपचारिक रूप से कार्यभार संभालने से पहले ही शिवकुमार के सामने मंत्रियों की परिषद चुनने की बड़ी चुनौती है। शिवकुमार के सामने सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौतियों में से एक अहिंदा के उस समर्थन आधार को बनाए रखना है, जिसे सिद्दरमैया ने बड़ी मेहनत से तैयार किया था। अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों और दलितों के इस सामाजिक गठबंधन ने 2023 में कांग्रेस की सत्ता में वापसी में अहम भूमिका निभाई थी और यह पार्टी की चुनावी रणनीति का मुख्य केंद्र बना हुआ है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि उन्हें अहिंदा समुदायों को यह भरोसा दिलाना होगा कि उनके हितों की रक्षा आगे भी होती रहेगी। जरा सी भी अनदेखी या नाराजगी बीजेपी-जेडीएस को अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने का मौका दे सकती है। इसलिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखना राजनीतिक रूप से बेहद जरूरी होगा।

सिद्दरमैया के साथ तालमेल बिठाकर काम करने की शिवकुमार की क्षमता ही यह तय करेगी कि 2028 में कांग्रेस सत्ता की बागडोर दोबारा संभाल पाती है या नहीं। बता दें सिद्दरमैया ने राज्य की राजनीति में सक्रिय रहने का प्रण लिया है।

कांग्रेस की मुख्य गारंटी योजनाओं को जारी रखते हुए राज्य के वित्त का प्रबंधन करना एक मुश्किलभरा काम साबित हो सकता है। सरकार पहले से ही पांच योजनाओं पर सालाना लगभग 51,000 करोड़ रुपए खर्च कर रही है, जिसमें गृह लक्ष्मी, शक्ति, अन्न भाग्य, युवा निधि और गृह ज्योति जैसी योजनाएं शामिल हैं। राजस्व जुटाना, बढ़ती सब्सिडी की प्रतिबद्धताएं और उधार लेने की सीमाएं मुख्य चिंताएं बनी रहेंगी लेकिन कल्याणकारी योजनाओं में कटौती करने से राजनीतिक जोखिम हो सकते हैं। कर संग्रह में सुधार, निवेश आकर्षित करना और खर्च को प्राथमिकता देना मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

बेंगलुरु से बाहर विकास का विस्तार करना और कृषि संबंधी चिंताओं को दूर करना एक और अहम क्षेत्र है जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। भले ही बेंगलुरु निवेश, बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक ध्यान के मामले में हावी बना हुआ है, लेकिन उत्तरी और ग्रामीण कर्नाटक के प्रतिनिधियों ने लगातार इन क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान देने की मांग की है। कई जिलों के किसानों को सूखे, सिंचाई की कमी, फसलों के नुकसान और बाजार की कीमतों में उतार-चढ़ाव से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

बेंगलुरु की शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर की मांगों और ग्रामीण विकास की उम्मीदों के बीच संतुलन बनाने के लिए संसाधनों का सोच-समझकर बंटवारा करना होगा। शिवकुमार के प्रशासन का मूल्यांकन न केवल बेंगलुरु के विकास से होगा, बल्कि इस बात से भी होगा कि विकास छोटे शहरों तक पहुंच पाता है या नहीं। मेकेदातु बैलेंसिंग रिजर्वोयर प्रोजेक्ट और कावेरी नदी से जुड़े बड़े विवाद के संवेदनशील राजनीतिक चुनौतियों के रूप में सामने आने की उम्मीद है। 2023 के चुनावों से पहले कनकपुरा से बेंगलुरु तक पदयात्रा करके मेकेदातु प्रोजेक्ट की जोरदार वकालत करने वाले शिवकुमार पर सीएम के तौर पर इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने का भारी दबाव होगा। पड़ोसी राज्य तमिलनाडु ने कावेरी नदी के पानी में अपने हिस्से को लेकर चिंताओं का हवाला देते हुए लगातार इसका विरोध किया है।

टोहाना किसान मोर्चा ने मंहगाई के खिलाफ़ किया विरोध प्रदर्शन

टोहाना हल्के में हर तरफ़ अंधेर नगरी चौपट राजा वाली कहावत फीट बैठ रही है -किसान नेता

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । धरना प्रदर्शन आज संयुक्त किसान मोर्चा के आदेश पर पेट्रोल डीज़ल गैस के दाम बढ़ने से किसान मजदूर व आमजन कि महंगाई ने जीना बेहाल हो गया है और सत्ता पर बैठे लोगों को सिर्फ कार्पोरेट को फायदा पहुंचाने और अमेरिका को खुश करने के इलावा जनता से कोई लेना-देना नहीं है इस पर देश में बढ़ रहीं महंगाई के विरोध में प्रतिया दहन करने का निर्णय लिया गया था इसी का पालन करते हुए पक्का मोर्चा टोहाना पर प्रतिया दहन किया गया और सरकार को चेताया गया कि कार्पोरेट व अमेरिका की दलाली को छोड़कर जनता को महंगाई से राहत दिलाने के बारे मे कार्य करे और पिछले दिनों टोहाना के

मनियाना रोड पर कुछ लोगों ने सरेआम दिन में सफेद के 18 पौधे काटने का काम किया

गया जिसमें पकडे जाने पर मजदूरों पर केश दर्ज किए जा रहे हैं जिसकी संयुक्त किसान मोर्चा कड़े शब्दों में निंदा करता हैं और मुख्यमंत्री और वन मंत्री से अनुरोध करता हैं कि यहां के पूरे स्टाफ को बदलकर या निलंबित कर इस घोटाले की जांच बड़ी एजेंसी से करवाई जाए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके और दोषियों को सख्त से सख्त सजा सुनाई दी जाए क्योंकि आरा मालिक ने सरेआम आरोप लगाया है कि हमने पहले भी पेड़ काटकर बेचे हैं ताकि पत्ता चल सके कि किसकी मिलीभगत से काट कर बेचे हैं इसमे लाभ सिंह हरी रणजीत सिंह ढिल्लों ,हरपाल सिंह गिल मुन्शी राम बलजीत सिंह संधू रामनिवास गिल प्रेम सिंह लोहा खेड़ा रेशम सिंह कृष्ण डांगरा आदि बहुत से साथियों ने भाग लिया।

टोहाना में महाराज अरूट जयंती समारोह हुआ आयोजित

मुख्य अतिथि के तौर टोहाना रत्न डॉ शिव सचदेवा वबहन वंदना, बहन कौशल्या ने संयुक्त रूप से की पुजा अर्चना

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । शनिवार को महाराज अरूट चौक टोहाना पर समस्त पंजाबी अरोड़ा खत्री समाज ने महाराज अरूट जयंती मनाई ।मुख्य अतिथि ब्रह्माकुमारी बहन वंदना ,बहन कौशल्या व डाक्टर शिव सचदेवा जी ने विधिवत पूजा अर्चना कर कार्यकर्म का शुभारंभ कर महाराज जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने महाराज जी का गुणगान करते हुए समाज को एकत्रित रहने का आह्वान किया ,महाराज जी के नक्शेकदम चलते हुए सर्व समाज सूत्र में बंधा रहना है ।महापुरुष सरबत के उत्थान की सोच रखते है। इस अवसर पंजाबी अरोड़ा खत्री समाज ने 7 मई दिन रविवार महाराज अरूट जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर समाज कोर कमेटी के संस्थापक रिंकू अरोड़ा, संरक्षक रविंदर मेहता,बहन स्वीटी मेहता, प्रधान डाक्टर अशोक तनेजा, उपप्रधान डाक्टर मनदीप ग्रोवर, मनोनीत सदस्य नंदी डारा, अजय पिलानी समाज के असंख्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहें।

फतेहाबाद पुलिस का नशा तस्करों पर दोहरा प्रहार

24.955 किलो गांजा बरामदगी मामले में अंतरराज्यीय सप्लायर की 10.60 लाख रुपये की अवैध संपत्ति जब्त

नशा तस्करों को स्पष्ट संदेश : जेल के साथ-साथ अब अवैध कमाई पर भी कसेगा कानून का शिकंजा

सदर टोहाना पुलिस की मजबूत जांच, तकनीकी साक्ष्यों एवं वित्तीय विश्लेषण के आधार पर भारत सरकार के सक्षम प्राधिकारी ने दिए संपत्ति जब्ती के आदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस के नेतृत्व में फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक और बड़ी सफलता हासिल की गई है। फतेहाबाद पुलिस अब केवल नशा तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजने तक सीमित नहीं है, रणनीति पर कार्य करते हुए नशा तस्करों को गिरफ्तार करने के साथ-साथ उनकी अवैध कमाई और अपराध से अर्जित संपत्तियों को भी जब्त करवाने की प्रभावी कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में थाना सदर टोहाना पुलिस द्वारा दर्ज एक महत्वपूर्ण एनडीपीएस मामले में की गई गहन जांच, तकनीकी विश्लेषण, डिजिटल साक्ष्यों और वित्तीय पड़ताल के आधार पर भारत सरकार के सक्षम प्राधिकारी एवं प्रशासक (एनडीपीएस अधिनियम), कोलकाता ने ओडिशा निवासी अंतरराज्यीय गांजा सप्लायर नीलांचल सुनामुडी उर्फ सोनू के बैंक खाते में जमा 10 लाख 60 हजार 531 रुपये की राशि को अवैध मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित संपत्ति मानते हुए जब्त करने के आदेश जारी किए हैं। उल्लेखनीय है कि 31 दिसंबर 2025 को पुलिस ने गांव बलियावाला के पास नाकाबंदी के दौरान एक

कार से 24 किलो 955 ग्राम गांजा बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मामले की जांच को केवल बरामदगी तक सीमित न रखते हुए पुलिस ने पूरे नेटवर्क की तह तक पहुंचने का कार्य किया। लगातार पूछताछ, डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण, मोबाइल डेटा, बैंकिंग रिकॉर्ड और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन की जांच के माध्यम से पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया। जांच में सामने आया कि ओडिशा के रायगड़ा निवासी नीलांचल सुनामुडी उर्फ सोनू हरियाणा में सक्रिय तस्करों को गांजे की सप्लाई करता था। पुलिस ने व्हाट्सएप चैट, यूपीआई ट्रांजेक्शन, बैंक खातों और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपी तक पहुंच बनाई और उसे गिरफ्तार किया। इसके बाद उसकी वित्तीय गतिविधियों की गहन जांच शुरू की गई। वित्तीय जांच के दौरान आरोपी के बैंक खाते में बड़ी मात्रा में संदिग्ध धनराशि जमा होने के तथ्य सामने आए। थाना सदर टोहाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत बैंक खाते को फ्रीज कर संपत्ति जब्ती की कार्रवाई के लिए मामला भारत सरकार के सक्षम प्राधिकारी को भेजा।

सुनवाई के दौरान आरोपी अपनी आय के वैध स्रोत संबंधी कोई ठोस दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। वहीं पुलिस द्वारा प्रस्तुत बैंक रिकॉर्ड, डिजिटल लेन-देन, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, सह-आरोपियों के बयान तथा आयकर विभाग से प्राप्त रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी ने पिछले छह वर्षों से कोई आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया था। उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद सक्षम प्राधिकारी ने बैंक खाते में जमा राशि को मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित अवैध आय मानते हुए उसकी जब्ती के आदेश जारी कर दिए। यह कार्रवाई फतेहाबाद पुलिस की पेशेवर, वैज्ञानिक एवं परिणामोन्मुख जांच का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस मामले में पुलिस ने साबित किया है कि नशा तस्कर चाहे किसी भी राज्य में बैठकर अपना नेटवर्क संचालित करें, आधुनिक तकनीक, डिजिटल ट्रैकिंग और वित्तीय जांच के माध्यम से उन्हें कानून के शिकंजे में लाया जाएगा। फतेहाबाद पुलिस ने नशा तस्करों और अपराधियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि अब केवल गिरफ्तारी ही नहीं होगी, बल्कि अपराध से अर्जित हर अवैध संपत्ति की पहचान कर उसे जब्त भी करवाया जाएगा। नशे के कारोबार से कमाया गया एक-एक रुपया कानून के दायरे में लाया जाएगा और अपराधियों की आर्थिक जड़ों पर प्रभावी प्रहार किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि जिले में नशा तस्करी के खिलाफ अभियान पूरी दृढ़ता के साथ जारी रहेगा। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी तस्कर को बख्शा नहीं जाएगा तथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ आर्थिक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

फतेहाबाद पुलिस का नशे पर प्रहार: टोहाना में घर के बाहर हेरोइन बेचता तस्कर रंगे हाथों गिरफ्तार

थाना शहर टोहाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर किला मोहल्ला से आरोपी को दबोचा, पुलिस टीम ने बरामद की 8.56 ग्राम हेरोइन

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष धरपकड़ अभियान के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए अपने ही घर के बाहर हेरोइन (चिट्टा) बेच रहे एक नशा तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान किसन उर्फ विशाल पुत्र देवराज, निवासी वार्ड नंबर 11, किला मोहल्ला, टोहाना, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरिक्षक कुलदीप ने जानकारी देते हुए बताया की पुलिस टीम बीती शाम कैंची चौक टोहाना के पास गश्त और नशीले पदार्थों की रोकथाम के संबंध में तैनात थी। इसी दौरान मुखबिर खास ने गुप्त सूचना दी कि किला मोहल्ला निवासी किसन उर्फ विशाल अपने घर में हेरोइन तस्करी का काम करता है और इस वक्त वह अपने मकान के बाहर ग्राहकों को हेरोइन बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना विश्वसनीय होने पर पुलिस टीम ने तुरंत रेडिंग पार्टी तैयार की और मौके पर दबिश देकर आरोपी को घर के बाहर से ही काबू कर लिया व नियमानुसार तलाशी लेने पर में 8.56 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई।मामले में आरोपी के खिलाफ थाना शहर टोहाना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21ड़-61-85 के तहत मुकदमा न. 156/2026 दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी से गहनता से पुछताछ कर नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जा रही हैं।

मानवता की मिसाल: रतिया ट्रैफिक पुलिस ने सड़क पर बेसुध पड़े व्यक्ति को सुरक्षित परिजनों तक पहुंचाया

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस के मार्गदर्शन में जिला पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों एवं जनसेवा के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। पुलिस अधीक्षक महोदया द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि नशे की समस्या से प्रभावित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील, मानवीय एवं सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाए। इन्हीं निर्देशों की पालना करते हुए रतिया ट्रैफिक पुलिस की राइडर टीम ने अपनी ड्यूटी के दौरान मानवता, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। राइडर नंबर-8 पर तैनात एसपीओ गुरप्यार सिंह नं. 190 तथा एचजीएच मंजीत सिंह नं. 2023 बुढलाडा रोड, रतिया क्षेत्र में यातायात ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति नशे की हालत में सड़क के बीचों-बीच बेसुध पड़ा हुआ है। उसकी स्थिति को देखते हुए किसी भी समय गंभीर सड़क दुर्घटना होने की आशंका थी, जिससे न केवल उसकी जान को खतरा था बल्कि अन्य राहगीरों की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती थी।पुलिस कर्मियों ने तत्काल मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए उक्त व्यक्ति को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया, उसे पानी पिलाया तथा प्राथमिक सहायता उपलब्ध करवाई। इसके बाद उन्होंने धैर्यपूर्वक उसका नाम-पता एवं परिजनों की जानकारी प्राप्त की और उनसे संपर्क स्थापित किया। सूचना मिलने पर

पहुंचे परिजनों को संबंधित व्यक्ति सुरक्षित एवं सकुशल सुपुर्द कर दिया गया पुलिस कर्मचारियों की इस तत्परता एवं संवेदनशील कार्यशैली से एक संभावित दुर्घटना टल गई तथा एक परिवार को बड़ी परेशानी से बचाया जा सका। यह घटना दर्शाती है कि फतेहाबाद पुलिस केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ निभा रही है। फतेहाबाद पुलिस आमजन की सुरक्षा, सहायता एवं सेवा के लिए सदैव तत्पर है तथा पुलिस अधीक्षक महोदया के नेतृत्व में सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन हेतु निरंतर कार्य कर रही है। 'जनसेवा, सुरक्षा और संवेदनशीलता ही फतेहाबाद पुलिस की पहचान है।'

श्रीरामकथा मे भक्ति रस में थिरके श्रद्धालु भक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय श्री तोदी कुई दुर्गा पूजा महोत्सव स्थल पर आयोजित श्री राम कथा के षष्ठम दिवस को श्रीराम बाल-कांड एवं अयोध्या कांड में महर्षि वशिष्ठ आश्रम में गुरुकुल दीक्षा, महर्षि विश्वामित्र प्रसंग, राजा त्रिशंकु कथा का संगीतमय वर्णन पूज्या प्रेमा सखी द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि सांसारिक कार्यो के प्रभु का जाप भी करते रहना चाहिए। यदि भगवान का जप निरन्तर करते रहेंगे तो ये जीवन रूपी यात्रा कब पूरी होगी हमे पता ही नही लगेगी। इस दौरान महिलाये कथा के दौरान भक्ति संगीतो पर नृत्य करने लग गई और मधुर संगीत पर सभी श्रद्धालु झूम उठे। इस अवसर पर श्रीमद जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज ने कथा के अंत मे सभी को आशीर्वचन दिए। कथा के अंत मे श्री रामायणजी की आरती की गई और सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। कथा में पवन बुटोलिया, दीपक जाजोदिया, सुशील जाजोदिया, सांवरमल मनोहर दाधीच, गिरधारी तुनवाल, विनोद तुनवाल सहित प्रबुद्धजन एवं श्रद्धालु कथा में उपस्तिथ हुए।

रामपुरा माईनर के विस्तारीकरण पर 34 करोड़ व नावदी को तीन करोड़ 15 लाख रुपए की मंजूरी मिलने पर ग्रामीणों में हर्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । रामपुरा माईनर के विस्तारीकरण पर 34 करोड़ व नावदी गांव को तीन करोड़ 15 लाख रुपए की मंजूरी करने पर नावदी के ग्रामीण स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के कार्यालय पर पहुंच कर शनिवार को पीए विकास से मुलाकात की। पूर्व पंच अशोक नावदी के नेतृत्व में अनेक ग्रामीण यहा आये तथा स्वास्थ्य मंत्री का आभार प्रकट किया। ग्रामीणों ने जल्द इस माइनर का टेंडर शुरू कार्य तो गति प्रदान की मांग की है। गांवों में जोहड़ों में वर्षा के पानी के संचय होगा। इस प्रोजेक्ट के मंजूर होने से ग्रामीणों में हर्ष बना हुआ है।गांव में पहले से दो जोहड़ बने हुए है तथा इस राशि में तीसरे जोहड़ नीमला की खुदाई के साथ चार दीवारी भी तैयार की जाएगी। इस राशि में सिंचाई हेतु नहर से पाइप लाइन जोड़ कर नया जोहड़ बनाया जाएगा। जिससे किसान अपनी फसल सिंचाई कर सकें गे। पहाड़ी वर्षा के पानी को पाइल लाइन के माध्यम से सती माता जोहड़ को जोड़ा जाएगा। रामपुरा माईनर के विस्तारीकरण के लिए

35 करोड़ रुपए मंजूर कर दिये है। पंच अशोक ने बताया कि रामपुरा माईनर की वर्तमान में 10 क्यूसेक है जबकि चौड़ीकरण के बाद 25 क्यूसेक हो जाएगी। जिससे अनेक गांवों किसानों की भूमि की सिंचाई हो सकेगी। इससे नावदी के साथ रामपुरा, कांटी, खेड़ी, बांस आदि गांवों को इसका लाभ मिलेगा। माइनर का विस्तारीकरण व जोहड़ों में पानी भरने के लिए मंत्री को ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपा था, उसके बाद यह राशि मंजूर हुई है। इस मौके पूर्व सरपंच बाबूलाल, धर्मपाल फैट, सहीराम, भगवानाराम, रोहताश थानेदार, भागमल, जगदीश, शमशेर, सीताराम आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

शादी के एक साल बाद बुझ गई जिंदगी की लौ, नवविवाहिता ने घर में फंदा लगाकर दी जान

गढ़ रोड स्थित मकान में हुई घटना, कारणों का खुलासा नहीं; पोस्टमार्टम के बाद होगा अंतिम संस्कार, पुलिस जुटी जांच में।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । कस्बे के गढ़ रोड स्थित देवीजी मंदिर के सामने शनिवार शाम उस समय शोक की लहर दौड़ गई, जब एक नवविवाहिता ने अपने ही घर में फंदा लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गढ़ रोड निवासी रवीना सैनी (20) पत्नी तुषार सैनी ने शनिवार शाम अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता चलते ही परिजन तत्काल उसे नीचे उतारकर मंडावर के राजकीय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों की ओर से मृत्यु की पुष्टि होते ही परिवार में मातम छा गया।

घटना की सूचना मिलते ही मंडावर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। देर शाम होने के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका, जिसके चलते शव को अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सुपुर्द

किया जाएगा। जानकारी के अनुसार रवीना की शादी करीब एक वर्ष पूर्व तुषार सैनी के साथ हुई थी। शादी के महज एक साल बाद इस दर्दनाक घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहनता से जांच कर रही है तथा परिजनों और अन्य संबंधित लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। समाचार लिखे जाने तक मृतका के पीहर एवं ससुराल पक्ष की ओर से किसी प्रकार की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई थी।

दा बौहराज ग्लोबल स्कूल के समर कैंप का भव्य समापन, प्रमाण पत्रों से सम्मानित हुए प्रतिभागी

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । कहते हैं कि 'प्रतिभा अवसर की मोहताज नहीं होती, उसे केवल सही मंच की जरूरत होती है।' इसी सोच को साकार करते हुए दा बौहराज ग्लोबल स्कूल, महवा में आयोजित 15 दिवसीय समर कैंप का शनिवार को उत्साह, उमंग और उपलब्धियों के बीच भव्य समापन हुआ। पखवाड़े भर चले इस कैंप में बच्चों ने अपनी छिपी प्रतिभाओं को न केवल पहचाना बल्कि उन्हें निखारकर शानदार प्रदर्शन भी किया। समापन अवसर पर प्रतिभागी विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।विद्यालय परिसर में आयोजित समर कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को गति देना और उनमें रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता तथा आत्मविश्वास का संचार करना रहा। कैंप के दौरान विद्यार्थियों को योग, नृत्य, संगीत, आर्ट एंड क्राफ्ट, जुंबा, खेलकूद, व्यक्तित्व विकास, सार्वजनिक भाषण, रचनात्मक लेखन तथा टीम वर्क जैसी विविध

गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। इन गतिविधियों ने बच्चों की प्रतिभा को नई दिशा देने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, सकारात्मक सोच और सामूहिक कार्य संस्कृति का भी विकास किया। समापन समारोह में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से कैंप के दौरान अर्जित कौशल का प्रदर्शन किया। बच्चों के आत्मविश्वास, ऊर्जा और उत्साह ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। पूरे आयोजन के दौरान यह स्पष्ट दिखाई दिया कि ग्रामीण अंचल की प्रतिभाएं यदि सही मार्गदर्शन और अवसर प्राप्त करें तो वे किसी भी मंच पर अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकती हैं। विद्यालय निदेशक विनय बौहरा ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व को संपूर्णता प्रदान करना भी है। उन्होंने कहा कि समर कैंप जैसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी रुचियों को पहचानने, नई क्षमताओं को विकसित करने और जीवन में आगे बढ़ने का आत्मविश्वास प्रदान करते हैं। सह-निदेशक विकास बौहरा ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी युग में विद्यार्थियों का बहुआयामी विकास समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ऐसे आयोजन बच्चों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक मूल्यों और सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण करते हैं, जो उनके भविष्य की मजबूत नींव साबित होते हैं।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार ने समर कैंप को सफल बनाने में योगदान देने वाले शिक्षकों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। अंत में सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।समारोह में निदेशक विनय बौहरा, सह-निदेशक विकास बौहरा, वाइस प्रिंसिपल श्वेता राणा, योगाचार्य रवि कुमार शर्मा, पीटीआई मनोज धाकड़, डिजिटल मीडिया इंचार्ज मोनोतोष मंडल तथा एक्टिविटी इंचार्ज प्रीति गोयल सहित विद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

आईपीएल 2026 : आरसीबी और टाइटंस के बीच आज होगा खिताबी मुकाबला

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। अहमदाबाद (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, जिसके चलते करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस महामुकाबले पर टिकी हुई हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार का फाइनल हाल के वर्षों के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक साबित हो सकता है।

आरसीबी लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में पहुंची है और उसके पास लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का अच्छा अवसर है। कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम ने पूरे सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। आरसीबी ने पहले क्वालिफायर में गुजरात टाइटंस को 92 रन के बड़े अंतर से हराकर सीधे फाइनल का टिकट हासिल किया था। उस मुकाबले में रजत पाटीदार की आक्रामक बल्लेबाजी और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से टीम का मनोबल काफी बढ़ा है। आरसीबी के पास विराट कोहली, फिल सॉल्ट, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा और टिम डेविड जैसे बल्लेबाज हैं किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं। वहीं ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या और रोमारियो शेफर्ड टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड का अनुभव आरसीबी की सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है, जबकि युवा स्पिनर सुयश शर्मा मध्य ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता रखते हैं। जिससे टीम खिताब जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस भी किसी मायने में कम नहीं है। कप्तान शुभमन गिल शानदार फॉर्म में हैं और दूसरे क्वालिफायर में उनके शतक ने टीम आसानी से फाइनल में पहुंच गीय। उनके साथ साई सुदर्शन ने भी बेहतरीन बल्लेबाी की है। उसे पास जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स जैसे बल्लेबाज मध्यक्रम को मजबूती देते हैं, जबकि राहुल तेवतिया मैच फिनिशर के तौर पर सफल रहे हैं। स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और राशिद खान टीम को अतिरिक्त मजबूती प्रदान करते हैं।

गुजरात की सबसे बड़ी ताकत उसकी गेंदबाजी मानी जा रही है। मोहम्मद सिराज, कगिसो रबाडा और प्रसिद्ध कृष्णा की तेज गेंदबाजी तिकड़ी किसी भी बल्लेबाजी क्रम के लिए परेशान खड़ी कर सकती है। वहीं राशिद खान अपनी फिरकी से मैच का रुख पलटने में सक्षम हैं। अहमदाबाद का मैदान गुजरात का घरेलू मैदान है और यहां टीम का रिकॉर्ड भी शानदार रहा है, जिससे भी उसे हालातों का लाभ मिलेगा।

हालांकि आरसीबी की बल्लेबाजी अधिक अनुभवी और आक्रामक नजर आती है। विराट कोहली का अनुभव, फिल सॉल्ट की तेज शुरुआत और रजत पाटीदार की शानदार फॉर्म टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। दूसरी ओर गुजरात की उम्मीदें शुभमन गिल, जोस बटलर, राशिद खान और मोहम्मद सिराज पर टिकी होंगी।

विशेषज्ञों के अनुसार मुकाबले का परिणाम पावरप्ले और डेथ ओवरों के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर करेगा। यदि आरसीबी के शीर्ष क्रम ने मजबूत शुरुआत दी तो टीम बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है, जबकि गुजरात के गेंदबाज शुरुआती झटके देकर मैच पर पकड़ बनाने की कोशिश करेंगे। वहीं अगर शुभमन गिल और साई सुदर्शन की जोड़ी लंबी साझेदारी करने में सफल रही तो गुजरात टाइटंस का पलड़ा भारी हो सकता है। कुल मिलाकर दोनों ही टीमें काफी संतुलित दिखाई दे रहा है ऐसे में प्रशंसकों को एक यादगार फाइनल देखने को मिलेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बची 8 मुकाबले हुए हैं। जिसमें दोनो ने ही 4-4 मेच खेले हैं।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी: रजत पाटीदार (कप्तान), फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - स्वप्निल सिंह, वेंकटेश अय्यर, रसिख सलाम डार, रिचर्ड ग्लीसन

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - साई किशोर, जेसन होल्डर, निशांत सिंधु, अरशद खान।

विनेश फोगाट का एशियन गेम्स 2026 में खेलने का सपना टूटा

–ट्रायल्स के सेमीफाइनल में थमा सफर, मीनाक्षी से हारीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट का एशियाई खेल 2026 में जगह बनाने का सपना चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में टूट गया। शनिवार को आयोजित ट्रायल्स में 53 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें युवा पहलवान मीनाक्षी गोयत ने 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ 31 वर्षीय विनेश एशियाई खेलों की भारतीय टीम में जगह बनाने से चूक गईं। हालांकि, मुकाबले के बाद उन्होंने हार मानने से इनकार करते हुए वापसी का संकल्प जताया।

ट्रायल्स के दौरान विनेश ने शुरुआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले ज्योति को 7-1 से हराया। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में निशु के खिलाफ मुकाबला काफी रोमांचक और विवादों से भरा रहा। मुकाबले की शुरुआत में निशु ने 5-0 की बढ़त बना ली थी और एक समय विनेश लगभग फॉल होने की स्थिति में पहुंच गई थीं। हालांकि, अनुभवी विनेश ने शानदार वापसी की। तकनीकी फैसलों, वीडियो स्क्रीन की तकनीकी दिक्कतों और कोचों की आपत्तियों के बीच मुकाबला बेहद तनावपूर्ण हो गया। स्कोर 6-6 की बराबरी पर पहुंचा तो निशु के एक टेकडाउन प्रयास को अंक नहीं दिए गए। इसके बाद निशु के कोच ने फैसले को चुनौती दी, लेकिन चुनौती असफल रही और विनेश मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गईं। हार के बाद भावुक निशु ने रेफरी और विनेश से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया था।

आईपीएल 2026 : वैभव ऑरेंज कैप, रबाडा पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

मोहाली। आईपीएल के 19 वें सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को होने वाला है। इसमें गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटंस (जीटी) से होगा। अब तक इस सत्र में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी सबसे आगे हैं। वैभव की टीम रॉयल्स भले ही टर्नामेंट से बाहर हो गयी है पर दूसरे क्वालीफार में बनाये 96 रनों के साथ ही उनक अब तक इस सत्र में सबसे अधिक 776 रन हो गये हैं। वैभव के पीछे ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। आरआर के खिलाफ 53 गेंदों में 104 रनों की लाजवाब शतकीय पारी खेलकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई और अब 15 मुकाबलों में 722 रनों के साथ दूसरे पायदान पर हैं। गिल के सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन भी कम नहीं रहे, जिन्होंने 16 मुकाबलों में 710 रन बनाकर तीसरे स्थान पर अपना कब्जा जमाया है। सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक विकेटकीपर–बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 15 मुकाबलों में 624 रनों के साथ चौथे और मुंबई इंडियंस के ईशान किशन 602 रनों के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं, जो इस सीजन की बल्लेबाजी की गहराई को दर्शाता है। दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा नंबर एक पर पहुंच गये हैं। रबाडा ने दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार को दूसरे नंबर पर धकेल दिया। रबाडा अब कुल 28 विकेटों के साथ शीर्ष पर काबिज हैं। भुवनेश्वर कुमार 15 मुकाबलों में 26 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि राजस्थान रॉयल्स के घातक तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर 25 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 14 मुकाबलों में 21 विकेट के साथ चौथे और सनराइजर्स हैदराबाद के युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा 20 विकेट लेकर पांचवें पायदान पर हैं।

हार्दिक पांड्या सहित कई बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर सकती है मुम्बई इंडियंस : रिपोर्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। टीम की हार के बाद उनका अपना प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले सत्र में मुम्बई टीम उन्हें शायद ही रिटेन करे। इस सत्र में मुम्बई केवल चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल करने में सफल रही है। इससे टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर रहे। पिछले सत्र में भी उनकी कप्तानी में टीम असफल रही थी। ऐसे में मुंबई इंडियंस अब अगले सत्र के लिए बड़े बदलाव कर सकती है। इसके तहत कप्तान सहित कई स्टार खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, मुंबई इंडियंस के करीबी सूत्रों का भी मानना है कि हार्दिक से कप्तानी छीनी जा सकती है। टीम में उनकी केवल एक खिलाड़ी के रूप में भूमिका पर भी चर्चा हो सकती है। टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ इस असफलता के बाद गहन विचार विमर्श के दौर से गुजर रहा है। मुंबई इंडियंस के आखिरी लीग मैच के बाद हुई कोचिंग स्टाफ की बैठक में भी सीनियर खिलाड़ियों से साफ कह दिया गया कि उन्हें मैदान पर दिए गए कोचिंग निर्देशों और डेटा-आधारित रणनीतियों का पालन करना चाहिए। कई बार खिलाड़ियों ने कोचिंग स्टाफ के सुझावों को नजरअंदाज किया, जिससे टीम को नुकसान हुआ है। टीम की परेशानी केवल कप्तानी तक सीमित नहीं है। टीम इस आईपीएल में पावरप्ले का भी टीम सही इस्तेमाल नहीं कर पाई, जैसा कि प्लेऑफ में पहुंची कई सफल टीमों ने किया।

शुभमन आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

मोहाली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कपतान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने के दौरान एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। शुभमन ने अपनी पारी में 47 गेंदों पर ही 100 रन बना दिये। इससे वह आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं।

इस मैच में 215 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए गिल ने यह मैच विजेता पारी खेली, जिसने गुजरात फाइनल में पहुंची।

इस मुकाबले में शुभमन ने 53 गेंदों में 104 रन बनाये। इसमें 15 शानदार चौके और तीन छक्के शामिल थे। यह आईपीएल में शुभमन का कुल पांचवां शतक है, जबकि कप्तान के तौर पर इस लीग में यह उनका दूसरा शतक है। इस दौरान उनकी और साई सुदर्शन के बीच हुई पहले विकेट के लिए 160 रन की साझेदारी हुई।

इस शतक के साथ ही शुभमन आईपीएल प्लेऑफ के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये। इस प्राकर उन्होंने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने 2023 सीजन में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 129 रन की पारी के दौरान 49 गेंदों में बनाया था। शुभमन से पहले, रिद्धिमान साहा ने साल 2014 और रजत पाटीदार ने साल 2022 में प्लेऑफ में 49 गेंदों में शतक लगाये थे पर शुभमन ने इस शतक से सबको पीछे छोड़ दिया।

शुभमन अब प्लेऑफ मुकाबलों में दो शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनका पहला प्लेऑफ शतक भी 2023 के दूसरे क्वालिफायर में ही आया था। यह गुजरात टाइटंस के लिए भी सबसे तेज आईपीएल शतक है, जिसमें उन्होंने अपने ही 2023 के रिकॉर्ड (49 गेंदों में शतक) को बेहतर किया।

एक कप्तान के तौर पर आईपीएल प्लेऑफ में शतक लगाने वाले शुभमन गिल पहले खिलाड़ी हैं। उनकी और साई सुदर्शन की पहले विकेट के लिए 160 रन की रिकॉर्ड-तोड़ साझेदारी ने गुजरात की जीत की राह बनी। इस जोड़ी ने 2011 के फाइनल में माइकल हसी और मुरली विजय द्वारा बनाए गए 159 रन की साझेदारी के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। इसके अलावा, यह टी20 क्रिकेट में दोनों के बीच 11वीं शतकीय साझेदारी थी, जो क्रिस गेल और विराट कोहली के 10 शतकीय साझेदारियों के रिकॉर्ड से आगे निकल गई।

वैभव सूर्यवंशी के कायल हुए लेंगर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी शानदार बल्लेबाजी से छाये हुए वैभव सूर्यवंशी के मुरीद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लेंगर भी हैं। लैंगर ने कहा है कि वह वैभव से प्रभावित हैं। साथ ही कहा कि उनके साथ एक सेल्फी चाहते हैं। जिसे उन्होंने अपनी जिंदगी का सिर्फ दूसरा ऐसा अवसर बताया है। लेंगर ने एक पोस्ट के जरिए इसका खुलासा किया है। लेंगर ने बताया कि राजस्तथान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के बीच हुए एक मैच के बाद उन्होंने वैभव से सेल्फी खिंचाने को भी कहा था। लेंगर का मानना है कि आने वाले समय में वैभव क्रिकेट जगत पर छाया रहेगा। इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा कि उन्होंने इससे पहले केवल एक बार किसी खिलाड़ी से सेल्फी खिंचवाने को कहा था। दो साल पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग के दिग्गज स्टीफन माइकल से सेल्फी खिंचाने को कहा था। लेंगर ने लिखा, पिछले हफ्ते मैंने कुछ ऐसा किया, जो अपनी जिंदगी में सिर्फ दूसरी बार ही किया है। मैंने किसी अन्य खिलाड़ी से सेल्फी देने को कहा। वहीं दूसरी बार यही बात 15 साल के वैभव से कही। वैभव सूर्यवंशी ने मेरी टीम लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ कई चौके और छक्के लगाये। उसने इस आईपीएल सीजन में 65 छक्के लगाये हैं – ये किसी भी टी20 टूर्नामेंट में किसी बल्लेबाज के दूसरे सबसे ज्यादा छक्के हैं। वह पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला खिलाड़ी है। वैभव सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में 12 छक्के जड़कर क्रिस गेल का आईपीएल 2012 में बनाया 59 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा है। वैभव ने 29 गेंदों में तूफानी 97 रन बनाए थे और क्रिस गेल के आईपीएल इतिहास के सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ने से वह एक गेंद से रह गये। वैभव की इस असाधारण प्रतिभा पर लेंगर ने आगे लिखा, इस खेल में 35 साल तक रहने के बाद, मैं ये विश्वास ही नहीं कर सकता कि ये लड़का ऐसे खेलता है। मैंने उसके जैसा इससे पहले कुछ भी नहीं देखा है।

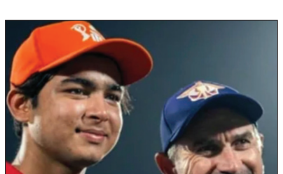

वैभव को रोकने खतरनाक बाउंसर गेंदों का इस्तेमाल गलत: इरफान पठान

–सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आये

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान इस बात से बेहद चिंतित है कि आईपीएल के 19 वें सत्र में असाधारण बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ खतरनाक बाउंसर गेंदों का इस्तेमाल हुआ है। इस सत्र में राज्स्थान रॉयल्स की ओर से वैभव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 700 से अधिक रन बनाये। उन्होंने जसप्रीत बुमराह, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क जैसे अनुभवी गेंदबाजों की गेंदों पर भी जमकर चौके छक्के लगाये। पठान के अनुसार जिस प्रकार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में वैभव को रोकने के लिए बॉडीलाइन बाउंसर फेंकी गयी वह गलत नीति थी।

वैभव के खिलाफ गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों की इस रणनीति को देखकर पठान घबरा गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए लिखा, '15 साल के वैभव को रोकने के लिए बॉडीलाइन गेंदबाजी मुझे ठीक नहीं लगती। मुझे पता है कि वह बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ खेल रहा है पर मेरे अंदर का पिता इससे सहमत नहीं है।' पठान ने ऐसी बाउंसरों के संभावित घातक परिणामों के बारे में भी सभी को चेताया है।

पठान ने कहा, 'सूर्यवंशी के खिलाफ योजना के तहत ही ऐसा किया गया। एक पिता के तौर पर, जब मैंने उसे देखा, तो गेंद उसके कान पर लगी। बाउंसर की बौछार थी। हमने खिलाड़ियों को बाउंसर के खिलाफ जान गंवाते देखा है। बेशक, योजना अच्छी होगी पर मुझे डर लग रहा था। मैं इससे सहमत नहीं हूं।' उन्होंने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए आगे कहा, 'मुझे पता है कि आप पेशेवर क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यह समझता हूं, लेकिन मैं एक बेटे का पिता भी हूं। मैं ये देखकर बहुत मुश्किल स्थिति में था।' पठान ने वैभव की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता ज़ाहिर करते हुए उम्मीद जताई कि वह अपने हेलमेट में अतिरिक्त प्रोटेक्शन का उपयोग करेगा, क्योंकि लोग उसे रोकने के लिए बाउंसर फेंकते रहेंगे। उन्होंने 100 रन बनाने से चूकने पर निराशा भी व्यक्त की, लेकिन उनकी मुख्य चिंता वैभव की सुरक्षा थी। उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी यह राय पेशेवर क्रिकेट से थोड़ी अलग हो सकती है, लेकिन एक युवा खिलाड़ी के प्रति ऐसी बॉडीलाइन रणनीति उन्हें बिलकुल भी पसंद नहीं आई।

सुदर्शन लगातार दूसरी बार हिट विकेट हुए

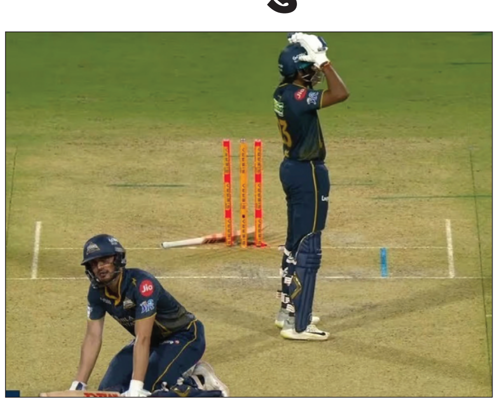

न्यू चंडीगढ। आईपीएल के 19 वें सत्र में गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन लगातार दूसर बार हिट विकेट हुए जो एक अनोखा संयोग है। ये पहली बार है जब कोई क्रिकेटर इस प्रकार हिट विकेट हुआ है। सुदर्शन दोनो ही क्वालीफायर में हिट विकेट हुए। क्वालीफायर 2 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुदर्शन से अर्धशतक लगाया पर हिट–विकेट होने के कारण वह आउट हुए। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए क्वालीफायर 1 में भी सुदर्शन हिट विकेट हुए थे। शुक्रवार को पीसीए स्टेडियम में हुए क्वालीफायर 2 का मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहाँ गुजरात टाइटंस का सामना राजस्थान रॉयल्स से हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए, राजस्थान रॉयल्स ने तय समय 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 214 रन बनाये। इसके बाद 215 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस को कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले ओवर से ही राजस्थान के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया, मैदान के हर कोने में बाउंड्री बटोरे और रन गति को 10 के पार बनाए रखा। गुजरात ने पावरप्ले का पूरा फायदा उठाया और दसवें ओवर से पहले ही 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से अपने अर्धशतक भी पूरे कर लिए। गिल और सुदर्शन के बीच पहले विकेट के लिए 167 रनों की रिकॉर्डतोड़ साझेदारी हो चुकी थी और गुजरात जीत की तरफ मजबूती से बढ़ रहा था। तभी सुदर्शन एक बार फिर हिट–विकेट हो गए। सुदर्शन के 58 रन पर आउट होने के बाद भी कप्तान शुभमन गिल ने अपना आक्रामक रुख जारी रखा। गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए मात्र 53 गेंदों पर 104 रनों की शतकीय पारी खेली। शुभमन के शानदार शतक की बदौलत गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली।

फ्रेंच ओपन 2026 : 19 साल के फोंसेका ने जोकोविच हो हराकर किया सबसे बड़ा उलटफेर

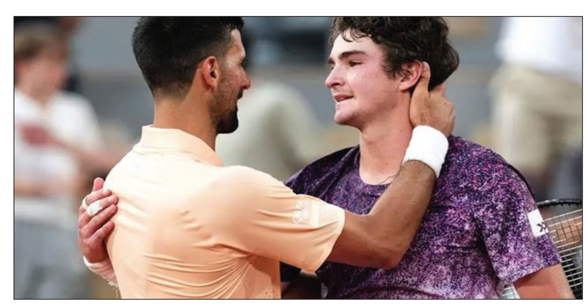

पेरिस। यहां रोला गैरा में खेले जा रहे फ्रैंच ओपन टेनिस में सबसे बड़ा उलटफेर हुआ है। सर्बिया के टेनिस स्टार और विश्वकप के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को ब्राजील के 19 साल के फोंसेका ने हराकर सनसनी फैला दी। तीन बार के विजेता और रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच को रोमांचक मुकाबले में फोंसेका ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 4–6, 4–6, 6–3, 7–5, 7–5 से हराया। इस मैच की शुरुआत में जोकोविच हावी रहे। उन्होंने पहले दो सेट में अपना दबदबा बनाए रखा और फोंसेका को कोई अवसर नहीं दिया। पर इस युवा खिलाड़ी ने तीसरे सेट से मुकाबले का रुख पलट दिया। उन्होंने अपनी रणनीति बदली, आक्रामक खेल दिखाया और अगले तीनों सेट जीतकर सभी को हैरान कर दिया। यह क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में दूसरा सबसे बड़ा उलटफेर है, जोकोविच से पहले इटली के जैनिक सिनर भी टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। चौथे सेट में फोंसेका हार से सिर्फ पांच पॉइंट दूर थे। जोकोविच 3–4 पर सर्व करते हुए 15/40 की बढ़त पर थे पर फोंसेका ने उन दो ब्रेक अंक बचाकर वापसी करते हुए सेट जीत लिया और मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच ले गए। इसके बाद जोकोविच थके हुए दिखे। निर्णायक सेट में भी उन्होंने 3–1 की शुरुआती बढ़त बना ली पर ब्राजीली खिलाड़ी ने फिर से अपनी वापसी की आदत को जारी रखा और आखिरी आठ में से छह गेम अपने नाम करते हुए एक यादगार जीत दर्ज की।

रॉयल्स के बाहर होने से वैभव के लिए दुखी हुए अश्विन

–कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन पर भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटंस से हार के साथ ही राजस्थान रॉयल्स की टीम बाहर हो गयी। रॉयल्स के बाहर होने से पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन निराश हैं। उनका कहना है कि इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी ने असाधारण प्रदर्शन कर टीम को खिताब मुकाबले का दावेदार बना दिया था। पर रियान पराग की गलती से उसके हाथों से ये अवसर निकल गया। अश्विन ने कहा कि वह वैभव के लिए दुखी हैं क्योंकि उसकी मेहनत बेकार हो गयी। वहीं अश्विन ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों और कप्तान रियान पराग की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि इन लोगों की गलती से टीम बाहर हुई है।

वैभव ने अपने बल पर रॉयल्स को यहां तक पहुंचाया। नॉकआउट चरण में उनकी बल्लेबाजी बेहद प्रभावशाली रही। एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 97 रनों की धुआंधार पारी खेली, जबकि क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटन्स के सामने भी उन्होंने 96 रन बनाए। पूरे टूर्नामेंट में वैभव ने लगभग 800 रन बनाकर अपने को साबित किया पर अन्य बल्लेबाजों ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।

अश्विन ने कहा, मैं मायूस हूं, क्योंकि उन्होंने आईपीएल 2026 में बहुत शानदार खेल दिखाया। लेकिन मेरे लिए सबसे खास बात वह पारी थी जो उन्होंने क्वालीफायर-2 में खेली। बेशक, किस्मत ने उनका थोड़ा साथ दिया, लेकिन पिच गेंदबाजों की मदद कर रही थी। उन्होंने मोहम्मद सिराज, कागिसो रबाडा और जेसन होल्डर जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना किया। उन्हें थोड़ी किस्मत का साथ मिला और एक कैच भी गिरा पर जिस प्रकार उन्होंने बल्लेबाजी की उसकी जितनी सराहना की जाये कम है।

अश्विन ने रॉयल्स के अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि गुजरात के कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी बल्लेबाजी की थी पर रॉयल्स के अन्य बल्लेबाजों ने वैभव का साथ नहीं दिया। क्वालीफायर-2 में हार के बाद वैभव काफी भावुक हो गए थे। अश्विन ने कहा कि एक 15 साल का लड़का हमेशा टीम को मैच जिताने के बारे में सोचता है। उन्होंने राजस्थान के सीनियर बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल और रियान पराग के रन नहीं बनाने पर नाराजगी जताई, जिससे टीम शुरुआत में ही मुकाबले से बाहर हो गई।

वैभव के अलावा, अश्विन ने रियान पराग की कप्तानी पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने मैच के दौरान लिए गए कुछ फैसलों पर पर सवाल उठाते हुए कहा, दासुन शनाका ने नौ गेंदों में तीन रन बनाए, जिनमें से दो गेंदें उन्होंने छोड़ दीं। जोफ्रा आर्चर बल्लेबाजी के लिए डोनोवन फरेरा से पहले आ गए! किसी ने भी वैभव का साथ नहीं दिया, फिर भी वैभव अकेले टीम को जीत दिलाने का प्रयास करते रहे। बीच दीवार बनकर खड़े रहे। ये रियान पराग की कप्तानी के स्तर को दर्शाता है। अश्विन के इन बयानों से स्पष्ट है कि उन्हें युवा वैभव के प्रदर्शन पर गर्व है, लेकिन टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों और नेतृत्व की कमी ने उन्हें बेहद निराश किया है।

आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला टीमें अगले साल होने वाले आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी है। भारतीय टीमों को इसमें डिविजन 4 में रखा गया है। आइस हॉकी वर्ल्ड चैंपियनशिप अगले साल 14 से 30 मई के बीच जर्मनी के डसेलडोर्फ और मैनहेम में होगी। इसके लिए पुरुष, महिला टीमें राष्ट्रीय शिविरों, खिलाड़ियों के मूल्यांकन, कोचिंग कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्धी अनुभव को सहारा लेंगी। भारत साल 1989 से ही अंतरराष्ट्रय आइस हॉकी फेडरेशन का पूर्ण सदस्य रहा है। भले ही भारतीय टीमों का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय टूर्नामेंट्स में कुछ खास नहीं रहा हो पर वह लगातार बेहतर करती आई है। देहरादून स्थित हिमाद्री आइस रिंक (भारत का एकमात्र ओलंपिक–आकार का इनडोर आइस रिंक है) इसमें आयोजित 2025 नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप ने पुरुष, महिला और युवा श्रेणियों की टीमों को बेहतर अनुभव हासिल करने का अवसर दिया है। यूएई में आयोजित आईआईएचएफ महिला एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को कांस्य पदक मिला था। इससे भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा था। अब विश्व वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 में महिला और पुरुष दोनो ही वर्ग में अंडर–20 टीमों को भी शामिल करना एक और अहम सफलता है। इससे युवा खिलाड़ियों को बेहतर अनुभव मिलेगा। आईआईएचएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 सिर्फ एक और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं है। आईआईएचएफ प्रतियोगिता प्रणाली के तहत देश विश्व आइस हॉकी में अपनी स्थिति बनाने के लिए अलग–अलग डिवीजन में मुकाबला करते हैं।

विनेश फोगाट एशियन गेम्स ट्रायल में हारी

पानीपत

ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट शनिवार को एशियन गेम्स ट्रायल का सेमीफाइनल मैच हार गईं। 53 किलो कैटेगरी में लगातार दो बाउट जीतने के बाद उन्हें जींद की मीनाक्षी गोयत ने हराया। विनेश अब एशियन गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। हार के बाद विनेश ने कहा- मैं पूरे सिस्टम के खिलाफ लड़ रही थी। एक तरफ मैं थी और दूसरी तरफ सभी लोग थे। मैं फिर वापसी करूंगी। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) ने एंटी-डोपिंग नियमों का हवाला देते हुए फोगाट को 26 जून 2026 तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर बैन लगा दिया था। विनेश ने इसके खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, डिवीजन बेंच ने विनेश के पक्ष में फैसला सुनाया था। WFI ने फोगाट का ट्रायल रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- विनेश शानदार रेसलर हैं, उन्होंने देश को गर्व महसूस कराया। विनेश को एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी जाती है।

भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तैयार:आर्मी चीफ

अभी केवल संघर्ष विराम; हमने बेंचमार्क बनाया कि भारत उकसावे पर कैसा जवाब देता है

पुणे/दिल्ली ।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। फिलहाल संघर्ष विराम जैसी स्थिति है। जरूरत पड़ी तो तीनों सेनाएं 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। आर्मी चीफ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने एक बेंचमार्क सेट कर दिया है कि भारत किसी भी उकसावे पर कैसे जवाब देता है। आज पास होने वाले अफसर अपने करियर की शुरुआत से ही इस बेंचमार्क को बनाए रखें। आर्मी चीफ पुणे के खड़कवासला में शनिवार को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) का 150वीं पासिंग आउट परेड में शामिल हुए। उन्होंने 355 कैडेट अफसरों की परेड की सलामी ली। इस दौरान कैडेट्स ने मार्च पास्ट किया। एयरफोर्स के फ्लाईपास्ट में सुखोई, चेतक हेलिकॉप्टर, सारंग हेलिकॉप्टर एरोबेटिक्स टीम और आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम ने हिस्सा लिया।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना

युद्ध के बदलते रूप को समझते हुए खुद को भविष्य के लिए तैयार कर रही है। सेना डिकेड ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन (बदलाव के दस साल) पहल के तहत आधुनिक और तकनीक-सक्षम बल में बदलने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने बताया कि सेना के भीतर मौजूदा संसाधनों से ही फर्स्ट रेजिमेंट बटालियन, दिव्यास्त्र बैटरियां, शक्तिमान रेजिमेंट, भारत बटालियन और दूसरी तकनीक-आधारित सैन्य संरचनाएं विकसित की जा रही हैं। इसमें युवा पीढ़ी की भूमिका को सेंटर में रखा गया है।

ऑपरेशन सिंदूर, जिसके दूसरे वर्जन का जिक्र आर्मी चीफ ने किया

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने यह कार्रवाई की थी। आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इसके बाद भारतीय सेना ने 6-7 मई की रात केवल 24 मिनट में PoK से ऑपरेट हो रहे 9 प्रमुख आतंकी लॉन्चपैड और ठिकानों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया था। सैटेलाइट इमेजेस के मुताबिक, भारत ने पाकिस्तान के सरगोधा, नूर खान, भोलारी और सुक्कुर एयरबेस को भी निशाना बनाया था, जिससे उन्हें भारी नुकसान पहुंचा था। सेना के अनुसार, इस ऑपरेशन में 100 से ज्यादा पाकिस्तानी जवान और कई कुख्यात आतंकवादी मारे गए थे।

अगले 2-3 साल में शुरू हो सकता है सेना का थिएटर कमांड सिस्टम

थिएटर कमांड व्यवस्था पर बोलते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि यह प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। इससे जुड़ी पूरी रिपोर्ट रक्षा मंत्री को सौंप दी गई है। इसका अलग-अलग लेवल पर रिव्यू भी चल रहा है। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था में सेना, नौसेना और वायुसेना चीफ अपनी-अपनी सेनाओं की तैयारी और संसाधनों की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि थिएटर कमांडर जॉइंट मिलिट्री ऑपरेशन देखेंगे। सेना प्रमुख ने उम्मीद जताई कि अगले 2 से 3 साल में यह व्यवस्था जमीनी स्तर पर लागू होती दिखाई दे सकती है, इसके लिए तीनों सेनाओं के प्रमुख हितों का ध्यान रखा जाए। अभी भारत में तीनों सेनाओं के अलग-अलग कुल 17 कमांड हैं। किसी सैन्य अभियान के दौरान तीनों सेनाएं मिलकर काम तो करती है ।

सेना प्रमुख के नए अफसरों को मैसेज

- आधुनिक युद्ध पारदर्शी हो गया है। 24 घंटे हर गतिविधि पर नजर रखी जाती है। ऐसे में सैनिकों की तैनाती, ऑपरेशन और बॉर्डर के पास बसे नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्क रहने की जरूरत है।
- जीत हमेशा दिमाग में होती है। यह जमीन पर नहीं होती। इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर तभी सफल होता है जब पूरा देश एक साथ आए और सूचना देने वाले लोगों पर भरोसा करे। जिस देश के नागरिक और संस्थाएं एक-दूसरे पर विश्वास करती हैं, वह देश हमेशा मजबूत स्थिति में रहता है।
- जब युद्ध की गति बहुत तेज हो रही हो, तब संसाधनों के दायरे में रहकर मदद की जरूरत पड़ती है, ताकि तेजी से फैसले ले सकें। बहुत सारी तकनीकों और संसाधनों को संभालने के लिए, ऑटोमेशन की जरूरत होती है, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ह्व) इसमें बहुत अहम रोल निभाता है।
- भविष्य की लड़ाइयां केवल पारंपरिक तरीके से नहीं लड़ी जाएंगी, बल्कि ये कई मोर्चों पर होंगी। इनमें जमीन, हवा, समुद्र, अंतरिक्ष, साइबर, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक, लोगों के दिमाग और सोच पर असर डालना शामिल होंगे।
- जब से मैंने कमान संभाली है, तब से 'ईगल ऑन द आर्म' (हाथ में बाज) की बात की है। मतलब हर सैनिक के हाथ में एक 'बाज' होना चाहिए, हर सैनिक में ड्रोन उड़ाने की काबिलियत होनी चाहिए। हमारी अकादमियों और दूसरी जगहों पर इसके लिए ट्रेनिंग चल रही है।

बैठक में कलेक्टर-जेडीसी के नहीं आने पर सांसद-विधायक भड़के

गोपाल शर्मा बोले- अफसरों को द्रव्यवती से नहीं, पैसे से मतलब; ब्यूरोक्रेसी के रवैये पर उठाए सवाल

जयपुर ।

जयपुर के द्रव्यवती प्रोजेक्ट को लेकर कलेक्ट्रेट में बुलाई गई बैठक में कलेक्टर संदेश नायक,जेडीसी की गैर मौजूदगी पर बीजेपी सासंद और विधायकों ने जमकर नाराजगी जताई। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह और सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने खरी-खोटी सुनाते हुए ब्यूरोक्रेसी के रवैये पर गंभीर सवाल उठाए। वहीं बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि अफसरों को द्रव्यवती नदी से नहीं द्रव्य (पैसे) से मतलब है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए- 'लगता है, कलेक्टर, कमिश्नर, जेडीसी सभी ने एक ही दिन छुट्टी ले ली।' सांसद, विधायकों के पहुंचने के करीब एक घंटे बाद कलेक्टर पहुंचे।

राजीव कृष्ण ही होंगे यूपी के परमानेंट DGP

रेणुका मिश्रा, पीयूष आनंद को पीछे छोड़ा; 4 साल इंतजार के बाद नाम फाइनल

लखनऊ ।

यूपी को 4 साल के इंतजार के बाद परमानेंट (स्थाई) पुलिस महानिदेशक (DGP) मिलने जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा कार्यवाहक डीजीपी राजीव कृष्ण ही यूपी के नए परमानेंट डीजीपी होंगे। राज्य सरकार जल्द ही इसका आदेश जारी कर सकती है। UPSC की गाइडलाइन और सुप्रीम कोर्ट के नियमों के मुताबिक, वह कम से कम 2 साल तक यूपी के DGP रहेंगे। राजीव कृष्ण 1 जून, 2025 से कार्यवाहक डीजीपी की कमान संभाल रहे हैं। दरअसल, यूपी सरकार ने परमानेंट DGP को लेकर संघ लोकसेवा आयोग (UPSC) को 19 IPS के नाम भेजे थे। इसे लेकर 26 मई को दिल्ली में आयोग की हाईलेवल बैठक हुई। इसमें रेणुका मिश्रा, पीयूष आनंद और राजीव कृष्ण का नाम फाइनल किया गया। इसके बाद आयोग ने तीनों के नाम यूपी सरकार को भेज दिया।

राजीव कृष्ण 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। मूलरूप से नोएडा के रहने वाले राजीव कृष्ण का जन्म 26 जून, 1969 को हुआ था। राजीव कृष्ण ऐसे घराने से संबंध रखते हैं, जहां एक दो नहीं

राजीव कृष्ण, DGP

6 से ज्यादा अफसर हैं। उनकी पत्नी IRS अफसर हैं और मौजूदा समय में नोएडा में CBDT में डिप्टी सेक्रेटरी हैं।

1991 में आईपीएस बनने के बाद उनकी पहली तैनाती प्रशिक्षु आईपीएस के रूप में इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुई थी। इसके बाद बरेली, कानपुर, अलीगढ़ में एएसपी के तौर पर तैनात रहे। 10 मार्च, 1997 को इन्हें पहली बार जिले की कमान सौंपी गई और फिरोजाबाद के एसपी बने। इसके बाद वह इटावा, मथुरा, फतेहगढ़, बुलंदशहर, गौतमबुद्धनगर, आगरा, लखनऊ, बरेली के एसएसपी रहे। मायावती के शासनकाल में जब बड़े जिलों में एसएसपी के स्थान पर डीआईजी की तैनाती हो रही थी, उस समय इन्हें लखनऊ जिले का डीआईजी बनाया गया था।

राजीव कृष्ण मेरठ रेंज के आईजी भी बने थे। 2012 में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर चले गए। सितंबर, 2017 में लौटे तो पहले पुलिस अकादमी मुरादाबाद में तैनाती दी गई। फिर 5 फरवरी, 2018 को इन्हें लखनऊ जोन का एडीजी बनाया गया। राजीव कृष्ण आगरा जोन में भी ढाई साल तक एडीजी जोन रहे थे। इसके बाद कार्यवाहक डीजीपी बनाए गए थे।

राजीव कृष्ण के परिवार में दो पीढ़ियों से सिविल सेवाओं (आईपीएस, आईआरएस) और राजनीति में प्रभावशाली उपस्थिति है। पत्नी मीनाक्षी सिंह नोएडा में CBDT में डिप्टी सेक्रेटरी हैं। सरोजनीनगर से विधायक राजेश्वर सिंह इनके साले हैं। राजेश्वर यूपी पुलिस के 1996 बैच के अफसर रहे हैं। बाद में वे प्रतिनियुक्ति पर प्रवर्तन निदेशालय चले गए और उसी कॉडर में मर्ज हो गए। 2022 के चुनाव से ठीक पहले राजेश्वर सिंह ने VRS लेकर राजनीति में कदम रखा। वे मौजूदा समय में लखनऊ की सरोजनीनगर सीट से विधायक हैं। राजेश्वर की पत्नी लक्ष्मी सिंह गौतमबुद्धनगर की पुलिस आयुक्त हैं।

डीके शिवकुमार कर्नाटक के 24वें सीएम होंगे: सिद्धारमैया ने नाम बढ़ाया

उनका बेटा भी मंत्री बनेगा; राज्य को 4 डिप्टी सीएम भी मिलेंगे

बेंगलुरु

कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री के लिए डीके शिवकुमार का नाम फाइनल हो गया है।

बेंगलुरु में शनिवार शाम को हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में कार्यवाहक सीएम सिद्धारमैया ने डीके शिवकुमार को विधायक दल का नेता बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। सूत्रों के मुताबिक CM के साथ-साथ कैबिनेट भी बदलेगी। मौजूदा कैबिनेट से 10 मंत्री हटाए जा सकते हैं। शिवकुमार कैबिनेट में सिद्धारमैया और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे भी शामिल होंगे। KPCC के कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रशेखर के मुताबिक 3 जून को नए सीएम का शपथ ग्रहण समारोह लोक भवन के 'ग्लास हाउस' में होगा। 4 डिप्टी CM भी बनाए जा सकते हैं। CM सिद्धारमैया ने 28 मई को इस्तीफा दिया था। इस्तीफा देने के एक दिन बाद ही सिद्धारमैया शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की।

पैरोल के बाद भी कैदी को 24-दिन जेल में रखा सुप्रीम कोर्ट ने अवैध रूप से हिरासत मानी; पीड़ित को 11 लाख मुआवजा देने का आदेश

जयपुर

सुप्रीम कोर्ट ने पैरोल के आदेश के बाद भी एक कैदी को 24 दिन तक जेल में रखने के मामले में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पीड़ित को 11 लाख रुपए का मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट से पैरोल के आदेशों के बावजूद कैदी को रिहा करने में 24 दिन की देरी को अवैध रूप से हिरासत में रखना माना गया है। जस्टिस संजय करोल और अगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने दाऊदयाल बनाम राजस्थान सरकार के मामले में 29 मई को यह फैसला सुनाया है। प्रशासनिक लेटलतीफी पर सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणियां की। कोर्ट ने साफ किया कि कोई व्यक्ति दोषी है, केवल इसलिए उसके मानवाधिकार कम नहीं हो जाते। प्रशासनिक देरी किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन नहीं कर सकती। कोर्ट ने जेल से रिहाई में देरी के पीछे राज्य सरकार का यह तर्क खारिज कर दिया कि वे आदेश को चुनौती देने पर विचार कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जब तक ऊपरी अदालत से स्टे नहीं मिले, तब तक अदालत के आदेश का पालन करना अनिवार्य है।

ईरान को रू28 लाख करोड़ रीकंस्ट्रक्शन फंड मिलेगा:अमेरिकी कंपनियां निवेश करेंगी: ट्रम्प

परमाणु कार्यक्रम पर सहमति, ईरान ने खारिज किया

वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित 60 दिन के युद्धविराम समझौते में ईरान को बड़ी आर्थिक मदद देने की बात सामने आई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, समझौता होने पर ईरान को 300 अरब डॉलर (करीब 28.5 लाख करोड़ रुपए) का फंड दिया जा सकता है। साथ ही अमेरिकी कंपनियों को ईरान में निवेश की अनुमति भी मिल सकती है। एक ईरानी अधिकारी ने इसे रीकंस्ट्रक्शन प्रोग्राम बताया।है। उनका कहना है कि अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद ईरान को यह आर्थिक सहायता देने का वादा किया जाएगा। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि दोनों देश परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौते के करीब हैं। ट्रम्प के मुताबिक, ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा और उसके पास मौजूद संवर्धित (एनरिच्ड) यूरेनियम को खत्म कर दिया जाएगा।

हालांकि, ईरान ने ट्रम्प के दावे को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि फिलहाल परमाणु मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं चल रही है। वहीं, फार्स न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि समझौते के मसौदे में परमाणु सामग्री को नष्ट करने जैसी कोई शर्त शामिल नहीं है।

ट्रम्प बोले- ईरान परमाणु बम नहीं बनाएगा: ट्रम्प ने कहा कि संभावित समझौते में ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा और होर्मुज स्ट्रेट में किसी तरह का टोल नहीं लगेगा।

दिल्ली में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI के 9 एजेंट गिरफ्तार

धार्मिक स्थलों और सरकारी इमारतों पर हमले की साजिश नाकाम, अब भारतीय मददगारों की तलाश

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शनिवार को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI और दाऊद इब्राहिम के अंडरवर्ल्ड नेटवर्क से जुड़े 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हथियार, ग्रेनेड और विस्फोटक मिले हैं।

पुलिस ने बताया कि ये लोग बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। इनके निशाने पर दिल्ली, मुंबई के प्रमुख धार्मिक स्थल, सरकारी इमारतें, मंत्रालय और सुरक्षाबल थे। जांच के मुताबिक यह आतंकी मॉड्यूल लंबे समय से तैयार किया जा रहा था। आरोपी पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स से भी संपर्क में थे।

फंडिंग और भर्ती नेटवर्क की जांच

दिल्ली पुलिस अब इस मॉड्यूल के फंडिंग स्रोतों, भर्ती प्रक्रिया और लॉजिस्टिक सपोर्ट सिस्टम की जांच कर रही है। साथ ही उन स्थानीय मददगारों और विदेशी हैंडलर्स की भूमिका भी खंगाली जा रही है, जो कथित तौर पर इस साजिश में शामिल थे।

राजस्थान के 8 जिलों में रेत का बवंडर,जयपुर में आंधी

जयपुर

राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण शनिवार को चूरू, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर, नागौर, डीडवाना -कुचामन, अलवर और सीकर में रेत का बवंडर आया। जयपुर में भी आंधी के साथ बारिश हुई। ग्रामीण इलाकों में ओले भी गिरे। बवंडर के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। दिन में अंधेरा छा गया। वाहनों की लाइट जलानी पड़ी। हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर के एरिया से इसकी शुरुआत हुई, हवा की रफ्तार 56 किमी प्रतिघंटा थी। आंधी के कारण कई जगहों पर पेड़ गिर गए। बिजली की सप्लाई प्रभावित हुई है। जयपुर के झोटवाड़ा इलाके में शाम को करीब 10 मिनट तक आंधी चली।

IPS सुमित मेहरड़ा को पहली बार DGP डिस्क सम्मान

राहुल प्रकाश, आईजी जयपुर रेंज और धौलपुर SP विकास सांगवान को तीसरी बार मिलेगा; 123 नामों की लिस्ट जारी

जयपुर ।

राजस्थान पुलिस मुख्यालय ने सराहनीय सेवाओं और उत्कृष्ट कार्य के लिए साल-2026 की डीजीपी डिस्क और प्रशस्ति रोल लिस्ट जारी कर दी है। जारी लिस्ट में आईपीएस, आरपीएस, निरीक्षक, उपनिरीक्षक, एएसआई, हेड कॉन्स्टेबल और कॉन्स्टेबल स्तर तक कुल 123 अधिकारियों-कर्मचारियों को डीजीपी डिस्क और प्रशस्ति रोल के लिए चयनित किया गया है। कई युवा IPS अधिकारियों को भी

राहुल प्रकाश, आईजी, जयपुर रेंज | विकास सांगवान, एसपी, धौलपुर

उनके अच्छे कामों के लिए सम्मानित किया जाएगा। अपराध नियंत्रण, साइबर अपराधों की रोकथाम, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नवाचार आधारित पुलिसिंग में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों का चयन किया गया है।

IPS हरिशंकर को पहली बार मिलेगा सम्मान

श्रीगंगानगर के पुलिस अधीक्षक हरिशंकर को पहली बार डीजीपी डिस्क प्रदान की जाएगी। इससे पहले वे हनुमानगढ़ जिले में भी पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं। दोनों जिलों में अपराध नियंत्रण, पुलिसिंग में सुधार और प्रभावी प्रशासनिक कार्यशैली के चलते उनके काम को पुलिस मुख्यालय ने सराहा है।

IPS सुमित मेहरड़ा को भी पहली बार DGP डिस्क

वर्तमान में साइबर क्राइम शाखा में पदस्थ सुमित मेहरड़ा को पहली बार डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया जाएगा। जयपुर में डीसीपी ट्रैफिक रहते हुए उन्होंने यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए लगातार फील्ड में सक्रिय भूमिका निभाई। ट्रैफिक सुधार के लिए किए गए नवाचार और प्रभावी मॉनिटरिंग को इस सम्मान का आधार माना गया है।

झालावाड़ एसपी अमित बुढ़ानिया को दूसरी बार सम्मान

झालावाड़ पुलिस अधीक्षक अमित कुमार (अमित बुढ़ानिया) को दूसरी बार डीजीपी डिस्क मिलेगी। उनके नेतृत्व में जिले में रोडवेज टिकट चोरी गिरोह, सूदखोरी नेटवर्क और बिजली चोरी माफियाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी। कई अभियानों को अन्य राज्यों ने भी मॉडल के रूप में देखा।

संक्षिप्त समाचार

मरियम नवाज की लाहौर में सर्जरी : अस्पताल से ही सरकारी कामकाज देखने का दावा, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की लाहौर के एक अस्पताल में बड़ी सर्जरी हुई है। प्रांतीय वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मरियम नवाज का ऑपरेशन लाहौर के शरीफ मेडिकल सिटी अस्पताल में हुआ। सर्जरी पूरी होने के बाद उन्हें उनके निवास स्थान 'जति उमरा' में शिफ्ट कर दिया गया है। मंत्री ने यह भी बताया कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान भी मुख्यमंत्री ने राज्य के महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यों की निगरानी की। उन्होंने ईद-उल-अजहा के पहले दिन सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और अन्य सरकारी मामलों पर नजर रखी। हालांकि, मंत्री ने आधिकारिक तौर पर यह खुलासा नहीं किया कि यह सर्जरी किस वजह से की गई थी। सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के एक सूत्र ने संकेत दिया है कि मुख्यमंत्री को थायराइड से संबंधित कुछ समस्याएं थीं। संभव है कि यह ऑपरेशन उसी समस्या के समाधान के लिए किया गया हो। इस खबर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। कुछ यूजर्स इस बात को लेकर हैरान हैं कि सर्जरी के तुरंत बाद कोई व्यक्ति सरकारी कामकाज कैसे देख सकता है। अदील नाम के एक सोशल मीडिया एक्टिविस्ट ने 'एक्स' पर लिखा कि किसी भी बड़े ऑपरेशन के बाद मरीज को पूरी तरह होश में आने में कम से कम 24 से 48 घंटे का समय लगता है। एनेस्थीसिया और तेज दर्द निवारक दवाओं के असर के कारण मरीज को पूरे दिन नींद आती रहती है। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में अचानक पूरे प्रांत की जिम्मेदारी संभालना मुमकिन नहीं लगता।

नफरत पर भारी पड़ी एकता : प्रिटोरिया के मंदिर में उत्पात के बाद एकजुट हुए 30 धार्मिक दल, दिया भाईचारे का संदेश

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया में एक हिंदू संगठन के मंदिर और कम्युनिटी हॉल में उत्पात की घटना सामने आई है। इस हरकत से पूरा समाज दुखी है। लेकिन नफरत फैलाने वाली इस कोशिश के खिलाफ सभी धर्मों के लोग एक साथ खड़े हो गए हैं। एकजुटता दिखाते हुए करीब 30 धार्मिक संगठनों ने एक साझा बयान जारी किया है। सभी ने प्रिटोरिया हिंदू सेवा समाज (पीएचएसएस) का पूरा साथ देने का वादा किया है। दरअसल, बीते सप्ताहांत कुछ शरारती तत्वों ने मंदिर की बाहरी दीवारों और कांच के दरवाजों पर कुछ नारे लिख दिए थे। त्शवाने के हिंदू, मुस्लिम और ईसाई संगठनों ने इस घटना की जमकर निंदा की है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि लॉडियम के इस हिंदू मंदिर में उत्पात केवल एक समुदाय पर हमला नहीं है। यह हमारे आपसी सम्मान और शांति से रहने के तौर-तरीकों पर हमला है। पूजा करने की जगहें बहुत पवित्र होती हैं। ये जगहें प्रार्थना करने और समाज को जोड़ने के लिए होती हैं। इनका अपमान हम सबको चोट पहुंचाता है।

म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से भारत दौरे पर, पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

नेप्यीडा, एजेंसी। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि म्यांमार के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग 30 मई से 3 जून 2026 तक भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा राष्ट्रपति मिन की मौजूदा पद पर भारत की पहली यात्रा होगी। उनके साथ कई कैबिनेट मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और कारोबारी नेताओं का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा। राष्ट्रपति मिन पहले 1 जून को होने वाले इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले थे, लेकिन अफ्रीकी महाद्वीप के कुछ देशों में इबोला वायरस के प्रकोप के कारण चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया गया। चूंकि द्वद्ध सम्मेलन भी इसी आयोजन के साथ प्रस्तावित था, इसलिए उसे भी टाल दिया गया। इसके बावजूद म्यांमार के राष्ट्रपति अब भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, राष्ट्रपति मिन 1 जून को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। दोनों नेता भारत और म्यांमार के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति एक बिजनेस फोरम में भी हिस्सा लेंगे। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति मिन 30 मई को बिहार के बोधगया जाएंगे, जहां वे धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का दौरा करेंगे। इसके बाद 2 जून को वह मुंबई पहुंचेंगे, जहां उद्योग और व्यापार जगत से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के साथ-साथ विभिन्न औद्योगिक स्थलों का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की नेबरहुड फर्स्ट, एक्ट ईस्ट और महासागर नीति में म्यांमार का विशेष महत्व है। ऐसे में यह यात्रा दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को और गहरा तथा मजबूत बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इस्राइल और रूस पर यौन हिंसा के आरोप, पहली बार ब्लैकलिस्ट में नाम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी होने वाली वार्षिक रिपोर्ट में इस बार इस्राइल और रूस की सेनाओं को पहली बार संघर्ष क्षेत्रों में यौन हिंसा के आरोपों के चलते ब्लैकलिस्ट में शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को औपचारिक रूप से जारी होने से पहले गुरुवार देर रात सामने आई। करीब 35 पन्नों की इस रिपोर्ट में दुनिया के 12 देशों के 77 सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों का उल्लेख किया गया है, जिन पर युद्ध और संघर्ष के दौरान यौन हिंसा में शामिल होने या जिम्मेदार होने का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में ऐसे मामलों में पिछले साल की तुलना में तेज वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र ने इस्राइल और कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों में हिरासत में रखे गए लोगों के खिलाफ यौन हिंसा के पैटर्न दर्ज किए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने गाजा और वेस्ट बैंक से जुड़े कई मामलों की पुष्टि भी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, 14 पुरुषों, 7 महिलाओं, 9 लड़कों और 1 लड़की के साथ यौन हिंसा की घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, जननांगों पर हमला, जबरन नग्न करना, बिना सुरक्षा कारणों के तलाशी और दुष्कर्म की धमकियां जैसे आरोप शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र ने दावा किया कि कुछ मामलों में इस्राइल डिफेंस फोर्स, जेल सेवा, विशेष बलों और पुलिस इकाइयों के सदस्यों पर सीधे आरोप लगे हैं।

हृ पर भड़का इस्राइल; गुटेरेस से तोड़े संबंध : इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र पर गंभीर आरोप लगाते हुए उसे राजनीतिक और भ्रष्ट संगठन करार दिया। साथ ही कहा कि संयुक्त राष्ट्र लंबे समय से इस्राइल को निशाना बना रहा है। इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा बयान जारी कर कहा कि संयुक्त राष्ट्र की यह कार्रवाई पूरी तरह पक्षपातपूर्ण है। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि यह फैसला हमास द्वारा किए गए वास्तविक यौन अपराधों और इस्राइल के खिलाफ लगाए गए आरोपों के बीच झूठी समानता पैदा करने की कोशिश है।

गुटेरेस पर लगाए गंभीर आरोप : इस्राइल ने इस मुद्दे पर सीधे संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को भी निशाने पर लिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि गुटेरेस अपने कार्यकाल के अंतिम महीनों में बेबुनियाद आरोप गढ़ने का काम कर रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, यही गुटेरेस हैं जिन्होंने 7 अक्तूबर 2023 को हुए हमास हमले को संदर्भित करने की कोशिश की थी और संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों की कथित संलिप्तता को छिपाया था। अब वे बिना किसी तथ्य के इस्राइल पर आरोप लगा रहे हैं। इस्राइल ने दावा किया कि उसने सभी आरोपों का पूरी तरह और स्पष्ट रूप से खंडन किया है। इस विवाद के बीच इस्राइल ने बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की कि नए महासचिव की नियुक्ति तक वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव कार्यालय के साथ सभी आधिकारिक संबंध समाप्त कर रहा है। इसे संयुक्त राष्ट्र और इस्राइल के रिश्तों में बड़ा तनाव माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में इस्राइल के राजदूत डैनी डैनन ने भी इस फैसले पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस्राइल को ब्लैकलिस्ट में डालना और हम पर युद्ध के हथियार के रूप में यौन हिंसा इस्तेमाल करने का आरोप लगाना बेहद शर्मनाक फैसला है। उन्होंने आगे कहा अब हमारा इस महासचिव से कोई संबंध नहीं बचा है। रूस की सेना और सुरक्षा बलों को भी पहली बार इस सूची में शामिल किया गया है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि यूक्रेन युद्ध के दौरान युद्धबंदियों और नागरिक बंदियों के साथ यौन हिंसा की गई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, रूस और उसके कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्रों में 310 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें ज्यादातर पीड़ित पुरुष बताए गए हैं। हालांकि रूस ने भी इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि यह राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वासिली नेबेंजिया ने कहा कि रूस भी यूक्रेन द्वारा रूसी युद्धबंदियों के साथ किए गए व्यवहार पर रिपोर्ट तैयार कर रहा है। रिपोर्ट में हमास का नाम भी शामिल है। 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हुए हमले के बाद हमास पहले से ही संयुक्त राष्ट्र की ब्लैकलिस्ट में मौजूद है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इस्राइल द्वारा जांच के लिए पर्याप्त पहुंच नहीं दिए जाने के कारण कई मामलों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी।

'ईरान-अमेरिका समझौते के करीब लेकिन अभी डील नहीं हुई है', उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का बड़ा बयान

मैरीलैंड (अमेरिका), एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को समाप्त करने और दीर्घकालिक शांति स्थापित करने की दिशा में बातचीत अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। हालांकि, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने स्पष्ट किया है कि दोनों देशों के बीच अभी भी कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है और यह कहना जल्दबाजी होगी कि अंतिम समझौता कब और क्या हो पाएगा। जेडी वेंस ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दोनों पक्ष कुछ बिंदुओं और विशेष रूप से यूरेनियम संवर्धन के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अभी वहां नहीं पहुंचे हैं, लेकिन काफी करीब हैं और बातचीत जारी रहेगी। वेंस ने दावा किया कि अगर समझौता हो जाता है तो इससे होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह खोला जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले ही ईरान की पारंपरिक सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर चुका है और उसके परमाणु कार्यक्रम को लंबे समय तक पीछे धकेलने की स्थिति में है। उनके अनुसार यह अमेरिकी जनता के हित में होगा।

युद्धविराम बढ़ाने का प्रस्ताव : रिपोर्टों के अनुसार, प्रस्तावित समझौते में मौजूदा युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भविष्य पर औपचारिक वार्ता शुरू करने की योजना शामिल है। अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है कि दोनों देशों के बीच एक रूपरेखा तैयार हो चुकी है, लेकिन उसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी नेतृत्व की मंजूरी मिलना अभी बाकी है। हालांकि, ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा है कि किसी समझौते को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है और न ही इसकी पुष्टि हुई है।

परमाणु कार्यक्रम सबसे बड़ा मुद्दा : अमेरिका लंबे समय से ईरान से उच्च स्तर के संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन बंद करने और मौजूदा भंडार को खत्म करने की मांग करता रहा है। वाशिंगटन का मानना है कि इस सामग्री का उपयोग परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है। वेंस ने कहा कि अमेरिका को लगता है कि ईरान इस बार अच्छी नीयत के साथ बातचीत कर रहा है। हालांकि, अप्रैल में युद्धविराम लागू होने के बाद से राष्ट्रपति ट्रंप कई बार यह कह चुके हैं कि समझौता करीब है, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, संभावित समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का प्रावधान हो सकता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष: अमेरिकी वित्त मंत्री का दावा- आर्थिक नाकेबंदी से बेदम ईरान अब परमाणु डील के लिए मजबूर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच महीनों से जारी भारी तनाव के बाद आखिरकार एक बड़ी कूटनीतिक कामयाबी मिलती दिख रही है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एलान किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य कार्रवाई और आर्थिक प्रतिबंधों की रणनीति रंग लाई है। इसी भारी दबाव की वजह से ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत करने के लिए टेबल पर आने को मजबूर हुआ है। बेसेंट ने कहा कि यह सफलता आज तक कोई दूसरा अमेरिकी प्रशासन हासिल नहीं कर पाया था। अब ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से छोड़ना होगा।

स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान के साथ कोई भी समझौता पूरी तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा पर निर्भर करता है। ट्रंप अमेरिकी जनता के हितों से कोई समझौता नहीं करेंगे। इस समझौते के लिए अमेरिका ने ईरान के सामने बेहद सख्त शर्तें रखी हैं:- ईरान को गारंटी देनी होगी कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। सामरिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज से जहाजों की आवाजाही को पूरी तरह मुक्त करना होगा। जब तक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पूरी तरह नहीं खुलता और ईरान यूरेनियम सौंपने पर राजी नहीं होता, तब तक कोई भी डील फाइनल नहीं होगी। ईरान की ओर से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद किए जाने से वैश्विक तेल सप्लाई ठप हो गई थी। फिलहाल करीब 2,000 व्यापारिक जहाज खाड़ी से बाहर निकलने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, बातचीत शुरू होने से मई में कच्चे तेल की कीमतें 10 फीसदी तक गिर चुकी हैं और संकट टलते ही दाम और तेजी से नीचे आएंगे।

एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के वार्ताकारों ने 60 दिनों के अस्थायी समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार कर लिया है। इसका उद्देश्य मौजूदा नाजुक युद्धविराम को आगे बढ़ाना है। मंगलवार तक सभी शर्तें तय हो चुकी हैं, बस दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी बाकी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अंतिम मसौदे की समीक्षा के लिए कुछ दिनों का समय मांगा है। यदि यह समझौता फाइनल होता है, तो यह 28 फरवरी को शुरू हुए संघर्ष के बाद से अब तक की सबसे बड़ी कूटनीतिक जीत होगी।

टेस्टिंग के दौरान फटा ब्लू ओरिजिन का रॉकेट; आसमान में दिखा खौफनाक मंजर; मस्क ने दी प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अरबपति जेफ बेजोस की स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन को उस समय बड़ा झटका लगा जब उसका विशाल न्यू ग्लेन रॉकेट लॉन्च पैड पर टेस्टिंग के दौरान अचानक विस्फोट का शिकार हो गया। यह घटना गुरुवार रात फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्थित लॉन्च कॉम्प्लेक्स-36 में हुई। रॉकेट में इंजन फायरिंग टेस्ट चल रहा था, तभी तेज धमाके के साथ आग का बड़ा गोला आसमान में दिखाई दिया। धमाका इतना जबरदस्त था कि आसपास के कई इलाकों में घर तक हिल गए। सोशल मीडिया पर लोगों ने धमाके की तस्वीरें और वीडियो साझा किए, जिनमें आसमान नारंगी रंग की आग से चमकता नजर आया।

कंपनी ने सभी कर्मचारियों के सुरक्षित होने की दी जानकारी : ब्लू ओरिजिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा कि टेस्ट के दौरान तकनीकी गड़बड़ी हुई थी। कंपनी के मुताबिक, सभी कर्मचारियों की गिनती कर ली गई है और कोई भी घायल नहीं हुआ है। कंपनी ने कहा कि आज के हॉटफायर टेस्ट के दौरान हमें एक असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ा। मामले की जांच की जा रही है और जल्द अपडेट साझा किया जाएगा। स्थानीय आपातकालीन अधिकारियों ने भी साफ किया कि विस्फोट के बाद किसी जहरीले धुएं या अन्य खतरे की आशंका नहीं है।

एलन मस्क की आई प्रतिक्रिया : स्पेसएक्स के मालिक और अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने इस घटना पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बेहद संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए लिखा 'बहुत दुर्भाग्यपूर्ण। रॉकेट कठिन होते हैं।' ब्लू ओरिजिन का न्यू ग्लेन रॉकेट पहले भी तकनीकी समस्याओं को लेकर चर्चा में रहा है। अप्रैल में इसकी उड़ान को रोक दिया गया था क्योंकि इंजन फेल होने के कारण यह एक सैटेलाइट को गलत कक्षा में छोड़ बैठा था। यह न्यू ग्लेन रॉकेट की केवल तीसरी उड़ान मानी जा रही थी। ब्लू ओरिजिन इस भारी-भरकम रॉकेट का इस्तेमाल नासा के चंद्र मिशनों के लिए लैंडर लॉन्च करने में करना चाहता है।

अंतरिक्ष दौड़ में बड़ा नाम बनना चाहती है ब्लू ओरिजिन : जेफ बेजोस की कंपनी ब्लू ओरिजिन लंबे समय से एलन मस्क की स्पेसएक्स को चुनौती देने की कोशिश कर रही है। न्यू ग्लेन रॉकेट को कंपनी के भविष्य के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में गिना जाता है। इस रॉकेट का नाम अमेरिका के पहले अंतरिक्ष यात्री जॉन ग्लेन के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले पहले अमेरिकी के रूप में इतिहास रचा था।

स्पेलिंग बी के चैंपियन बने भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख; 90 सेकंड में बताए 32 शब्द, इतना मिला इनाम

सैक्रामेंटो, एजेंसी। कैलिफोर्निया के 14 वर्षीय भारतीय मूल के छात्र श्रेय पारिख ने प्रतिष्ठित स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने न्यू जर्सी के ईशान गुप्ता को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता के निर्णायक स्पेल-ऑफ राउंड में श्रेय और ईशान को 90 सेकंड के भीतर अधिक से अधिक शब्दों की सही स्पेलिंग बताने का मौका मिला। श्रेय ने 90 सेकंड में 32 शब्दों की सही स्पेलिंग बताई, जबकि ईशान 25 शब्द ही सही लिख सके। इसी प्रदर्शन के दम पर श्रेय को विजेता घोषित किया गया। श्रेय पारिख इससे पहले साल 2022 स्क्रिप्स स्पेलिंग बी में पारिख 89वें स्थान पर आए थे। साल 2024 में तीसरे स्थान पर रहे थे। 2024 में भी प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचे थे। इस जीत के साथ उन्हें 50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि यानी लगभग 41.5 लाख रुपये अपने नाम कर ली। साथ ही एक स्मारक पदक, प्रतिष्ठित स्क्रिप्स कप, मेरियम-वेबस्टर की ओर से 2,500 डॉलर, डेल्टा एयरलाइंस की ओर से 1,000 डॉलर के फ्लाइट क्रेडिट और एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका की ओर से 400 डॉलर मूल्य की संदर्भ पुस्तकें प्रदान की जाएंगी। तीन दिवसीय यह प्रतियोगिता सोमवार को वॉशिंगटन स्थित डीए आर कॉन्स्टिट्यूशन हॉल में शुरू हुई थी। इसमें अमेरिका के सभी 50 राज्यों, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, गुआम, प्यूर्टो रिको, यूएस वर्जिन आइलैंड्स, यूरोप स्थित रक्षा विभाग के स्कूलों और बहामास, कनाडा, घाना, नाइजीरिया व संयुक्त अरब अमीरात सहित पांच अन्य देशों के कुल 247 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के अंतिम दौर में नौ प्रतिभागियों ने जगह बनाई थी। वहीं, जॉर्जिया के 12 वर्षीय सर्व धारवाने तीसरे स्थान पर रहे। स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित स्पेलिंग प्रतियोगिताओं में से एक है, जिसका आयोजन हर साल अमेरिका में किया जाता है। इस प्रतियोगिता में हजारों छात्र हिस्सा लेते हैं और कई चरणों से गुजरने के बाद विजेता का चयन होता है। इस प्रतियोगिता में केवल आठवीं कक्षा तक के छात्र भाग ले सकते हैं और उनकी उम्र 15 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रतियोगियों को सबसे पहले दो प्रारंभिक राउंड पास करने होते हैं। इनमें एक स्पेलिंग राउंड और एक मल्टीपल-चॉइस वोकैबुलरी राउंड शामिल होता है, जिसमें पहले से जारी शब्द सूची के आधार पर प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रारंभिक चरण में सफल रहने वाले प्रतिभागियों को लिखित स्पेलिंग और वोकैबुलरी टेस्ट देना पड़ता है। इसके बाद शीर्ष 100 या उसके आसपास के प्रतिभागी क्वार्टरफाइनल में पहुंचते हैं। क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल राउंड के दौरान प्रतिभागियों से मंच पर माइक्रोफोन के सामने स्पेलिंग और शब्दावली से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। गलत उत्तर देने वाले प्रतियोगी बाहर हो जाते हैं।

डील: 300 अरब डॉलर निवेश से लेकर लेबनान में हमले रोकने तक, आखिर समझौते में क्या-क्या शामिल?

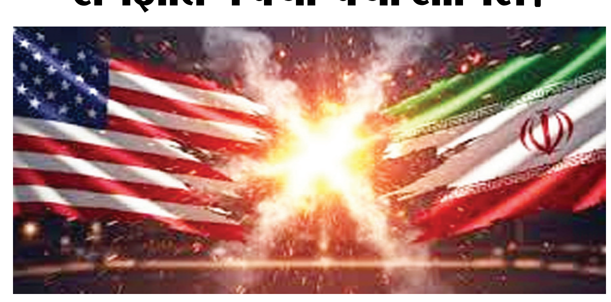

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने के लिए तैयार हो रही संभावित डील अब अंतिम चरण में पहुंचती दिख रही है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि दोनों पक्ष समझौते के काफी करीब हैं, हालांकि कुछ मुद्दों पर अभी सहमति बनना बाकी है। अगर यह समझौता अंतिम रूप लेता है तो इसमें केवल युद्धविराम ही नहीं, बल्कि परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में राहत, होर्मुज जलडमरूमध्य, लेबनान संकट और बड़े निवेश पैकेज जैसे कई अहम मुद्दे शामिल होंगे। प्रस्तावित समझौते के तहत अमेरिका और ईरान 60 दिनों तक संघर्षविराम बढ़ाएंगे। इसी अवधि में दोनों देश स्थायी शांति समझौते और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर विस्तृत बातचीत करेंगे। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही सामान्य करने का प्रस्ताव है। रिपोर्टों के मुताबिक ईरान समुद्री बारूदी सुरंगें हटाएगा, जबकि अमेरिका नौसैनिक प्रतिबंधों में राहत देने पर विचार करेगा।

परमाणु कार्यक्रम पर सबसे बड़ी बातचीत : डील का सबसे संवेदनशील हिस्सा ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ा है। अमेरिका चाहता है कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न करने की प्रतिबद्धता दे। साथ ही समृद्ध यूरेनियम के भंडार और भविष्य में यूरेनियम संवर्धन के नियमों पर भी बातचीत होगी। समझौते में अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत और विदेशों में फंसी ईरान की अरबों डॉलर की संपत्तियों को लेकर भी चर्चा शामिल है। ईरान लंबे समय से अपने जमे हुए फंड तक पहुंच की मांग करता रहा है। डील में लेबनान में जारी संघर्ष को कम करने और हिजबुल्ला व इस्राइल के बीच तनाव घटाने से जुड़ा प्रावधान भी शामिल बताया जा रहा है। हालांकि लेबनान को लेकर दोनों पक्षों की व्याख्या अलग-अलग बताई जा रही है। डील का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा करीब 300 अरब डॉलर के अंतरराष्ट्रीय निवेश और पुनर्निर्माण कार्यक्रम का प्रस्ताव है। रिपोर्टों के अनुसार अंतिम समझौता होने पर अमेरिका ईरान में बड़े निवेश को सुगम बनाने में मदद कर सकता है। तेल, ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अमेरिकी कंपनियों की एंट्री की संभावना भी जताई गई है।

जेडी वेंस बोले-अमेरिका और ईरान समझौते के बेहद करीब, पर यूरेनियम संवर्धन पर अब भी फंसा पेच

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया इस वक्त बारूद के ढेर पर बैठा है। गाजा में बढ़ते सैन्य अभियान, इस्राइल-ईरान के बीच लगातार बढ़ रही तल्खी, लेबनान में फिर तेज होते हमले और अमेरिका की बढ़ती दखल ने पूरे इलाके का तनाव कई गुना बढ़ा दिया है। हालात ऐसे हैं कि हर कुछ घंटे में कोई नया हमला, बड़ा बयान या कूटनीतिक हलचल दुनिया की सुर्खियां बन रही है। तेल कारोबार से लेकर वैश्विक राजनीति तक, हर मोर्चे पर इसका असर दिखाई देने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को रोकने के लिए समझौता लगभग तैयार है, लेकिन अंतिम सहमति से पहले दोनों पक्षों को कुछ बेहद पेचीदा मुद्दों को सुलझाना होगा, जिसकी पुष्टि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने की है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रस्तावित डील के तहत युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाया जाएगा और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भविष्य पर नए सिरे से बातचीत शुरू होगी। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों की ओर से समझौते का एक ढांचा तैयार होने की बात कहने के बावजूद, ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने इसके फाइनल होने से इनकार किया है। खुद वेंस ने साफ किया है कि यूरेनियम संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दों पर अभी भी बातचीत का दौर जारी है और जब तक डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी नेतृत्व की अंतिम मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक समझौते की सटीक समयसीमा तय करना जल्दबाजी होगी।

ईरानी दावे को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने किया खारिज : अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरानी

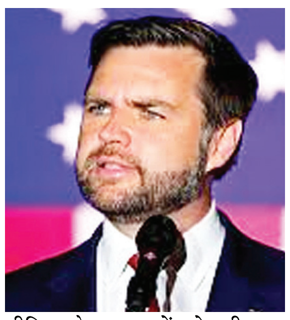

मीडिया के उन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान के बुशहर प्रांत में एक अमेरिकी विमान को मार गिराया गया है। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर स्पष्ट रूप से बयान जारी कर कहा कि यह रिपोर्ट पूरी तरह गलत है, अमेरिका का कोई भी विमान क्रैश नहीं हुआ है और उनके सभी हवाई एसेट्स सुरक्षित और संपर्क में हैं। दोनों देशों के बीच जारी तनाव के बीच इस घटना को एक भ्रामक प्रचार या इन्फॉर्मेशन वॉर के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

हरलान उलमैन बोले- महंगाई और चुनाव के बीच फंसे ट्रंप, ईरान से समझौता करना आसान नहीं : पूर्व अमेरिकी नौसैनिक अधिकारी हरलान उलमैन का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच अगले 60 दिनों में समझौता होना मुश्किल है। दोनों देशों के बीच यूरेनियम और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने को लेकर विवाद चल रहा है। अमेरिका में बढ़ती महंगाई के कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर समझौता करने का भारी घरेलू दबाव है। हालांकि, ट्रंप को भरोसा है कि आगामी मध्यावधि चुनावों में उनकी रिपब्लिकन पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी। उल्मन के अनुसार, ट्रंप पर किसी समझौते के लिए कोई जबरदस्ती नहीं है, लेकिन उन्हें इस तनाव को जल्द खत्म करना होगा। अमेरिका अपनी नौसेना को हमेशा के लिए वहां तैनात नहीं रख सकता है और इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

ईरान का बड़ा दावा- आसमान में मार गिराया दुश्मन का विमान : ईरान की वायु सेना ने बुशायर प्रांत में एक दुश्मन के विमान को मार गिराने का दावा किया है। यह घटना जाम काउंटी इलाके में हुई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, हवाई रक्षा प्रणाली ने इस विमान को बीच रास्ते में ही रोककर नष्ट कर दिया। वहां के स्थानीय गवर्नर मसूद तंगेस्तानी ने इस खबर की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के बाद अब शहर में स्थिति पूरी तरह सामान्य है। सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी के मुताबिक यह घटना पिछले एक घंटे के भीतर ही हुई है।

ईरानी सेना ने चार जहाजों पर की चेतावनी भरी गोलीबारी, होर्मुज में फिर बढ़ा तनाव : पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी मेहर के मुताबिक, ईरानी सुरक्षा बलों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास चार जहाजों पर वॉर्निंग शॉट्स फायर किए। दावा किया गया कि ये जहाज बिना समन्वय के स्ट्रेट पार करने की कोशिश कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार चेतावनी दिए जाने के बावजूद जहाज नहीं रुके, जिसके बाद ईरानी बलों ने फायरिंग की और जहाजों को पीछे हटना पड़ा। फिलहाल जहाजों की पहचान और किसी नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com